हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 83 | जौनपुर, सोमवार 18 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

ओम बिरला ने सांसदों को लिखी चिट्ठी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद में बड़े सुरक्षा चूक के तीन दिन बाद, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद के सभी सदस्यों को एक पत्र लिखा, जिसमें कहा गया कि सुरक्षा उल्लंघन और हाल ही में निचले सदन से 13 सांसदों के निलंबन के बीच कोई संबंध नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि घटना की गहन जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया है। मैंने एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का भी गठन किया है जो संसद परिसर में सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करेगी और यह सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस कार्य योजना तैयार करेगी ताकि घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। 13 दिसंबर को, दो व्यक्ति लोकसभा के कक्ष के ऊपर स्थित दर्शक दीर्घा से अंदर कूद गए और संसद के अंदर धुआं फेंक दिया, जिससे उस दिन दहशत फैल गई, जब भारत ने 2001 के संसद हमलों की 22वीं बरसी मनाई थी। ओम बिरला ने कहा कि यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ सदस्य और राजनीतिक दल कुछ सदस्यों को सदन की सेवा से निलंबित करने के सदन के फैसले को 13 दिसंबर, 2023 को हुई घटना से जोड़ रहे हैं।

मुठभेड़ में सीआरपीएफ का अधिकारी शहीद

सुकमा (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में रविवार को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक अधिकारी शहीद हो गया तथा एक अन्य घायल हो गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में सीआरपीएफ की 165वीं बटालियन के उप निरीक्षक सुधाकर रेड्डी शहीद हो गए तथा आरक्षक रामू गोली लगने से घायल हो गये। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह सात बजे जगरगुंडा थाने के अंतर्गत बेदरे शिविर से सीआरपीएफ की 165वीं बटालियन की कंपनी उर्सांगल गांव की तरफ अभियान पर निकली थी। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवान का प्राथमिक उपचार कर उसे बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से रायपुर भेजा जा रहा है।

अनिल गायकवाड़ के खिलाफ SIT करेगी जांच

नई दिल्ली (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के एक वरिष्ठ नौकरशाह के बेटे अनिल गायकवाड़ ने ठाणे के एक होटल के पास 26 वर्षीय एक महिला को अपनी कार से कुचल दिया। बताया जा रहा है कि महिला उसके गर्लफ्रेंड है और हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल हुई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस मामले की जांच के लिए अब एसआईटी का गठन कर दिया गया है। इस संबंध में सीपी ठाणे जय जीत सिंह ने बताया कि मामले की गहन जांच के लिए डीसीपी जोन 5 अमर सिंह जाधव के तहत एक एसआईटी का गठन किया गया है, जिसमें अश्वजीत अनिल गायकवाड़ और अन्य को आरोपी बनाया गया है। सभी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और फोरेंसिक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। पुलिस जांच के अनुसार आरोपी व्यक्ति महिला का प्रेमी बताया जाता है।

पीए मोदी बोले बीजेपी को मिलेगी ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में स्थित सूरत डायमंड बोर्स का उद्घाटन कर दिया है। सूरत शहर की भव्यता में इसी के साथ एक और हीरा जुड़ गया है जो की दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत डायमंड बोर्स के उद्घाटन समारोह के मौके पर कहा कि यह बोर्स मोदी की गारंटी का उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया में कहीं भी डायमंड बोर्स का जिक्र होगा तो इसमें सूरत का नाम जरुर लिया जाएगा और भारत का नाम भी इसके साथ लिया जाएगा। उन्होंने सूरत स्थित डायमंड बोर्स के संबंध में कहा कि यह बोर्स भारतीय डिजाइन, भारतीय डिजाइनर, भारतीय पदार्थ और भारत के कॉन्सेप्ट की समर्थता को दर्शाता है। सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग एक नए भारत के नए समर्थ और इसके नए संकल्प को दर्शा रही है और इसका जीता जागता प्रतीक है।

पीएसी का 76वां स्थापना दिवस समारोह, सीएम योगी ने दिया आश्वासन पदोन्नति की विसंगतियां जल्द करेंगे दूर

लखनऊ (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री आदित्य नाथ ने पीएसी के स्थापना दिवस के अवसर पर पुलिस कर्मियों को नकद पुरुस्कार के साथ ट्राफी से सम्मानित भी किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा, आज पीएसी कर्मी राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसटीएफ, एटीएस, ट्रैफिक पुलिस और अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा बलों के साथ राज्य की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री आदित्य नाथ ने कहा, हम सब जानते है उत्तरप्रदेश पीएसी का अपना गौरवशाली इतिहास है। 17 दिसंबर 1947 को मिलट्री पुलिस का नाम बदलकर पीएससी किया गया और इसका विधिवत गठन किया गया। उत्तरप्रदेश के पीएससी के लगभग 40 हजार कर्मी अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा और तत्परता से निर्वहन करते हुए कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने में अपना योगदान दे रहे है। सीएम योगी ने आगे कहा कि, हम सब जानते है जब देश की संसद में 2001 में हमला हुआ था उस समय उत्तर प्रदेश के पीएसी के जवानों की वजह से उस हमले को निष्फल करने में सफतला हासिल हुई थी। हमारे जवानों ने उन सभी हमलवारों को मारकर उनके मंसूबों पर पानी फेरा था। यहीं नहीं देश की आस्था का प्रतीक राम जन्म भूमि पर जब आतंकी हमला हुआ था तब भी उत्तरप्रदेश पीएसी के जवानों ने उसका भी बहादुरी से सामना किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएसी के 76वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर पीएसी में पदोन्नति की विसंगतियों को जल्द दूर करने का आश्वासन दिया। इसके लिए गृह विभाग को निर्देश दिया जा चुका है। जल्द इसकी घोषणा होगी ताकि पीएसी बल का मनोबल बना रहे। उन्होंने कहा कि देश में कहीं भी उपद्रव या चुनाव हो तो पीएसी बल याद किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी और पीएसी के स्थापना दिवस का शताब्दी वर्ष एक साथ मनाया जाएगा, लिहाजा इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी जाएं। प्रदेश में पीएसी बल कानून–व्यवस्था को बेहतर बनाने में अहम योगदान दे रहा है। धार्मिक, सार्वजनिक कार्यक्रमों, विशिष्ट महानुभावों की सुरक्षा, यातायात ड्यूटी, यूपी 112, एसटीएफ, एटीएस, एसडीआरएफ में पीएसी बल उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। वर्ष 2001 में संसद पर हमला हो या फिर रामजन्मभूमि पर आतंकी हमला, पीएसी बल के जवानों ने अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हुए हमलावरों को ढेर किया। उनका यह योगदान इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा पहले की सरकारों में पीएसी बल को लेकर संकीर्ण सोच थी। उन्होंने 46 कंपनियों को समाप्त कर दिया था जिसे हमने पुनर्जीवित किया है। वर्तमान में पीएसी की 35 वाहिनियों में 273 कंपनियां पूरी तरह क्रियाशील हैं। पीएसी के 10,584 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी।

उपराष्ट्रपति ने लखनऊ में दो दिवसीय स्वास्थ्य मेले का किया शुभारंभ

लखनऊ (एजेन्सी)। स्वास्थ्य तभी अच्छा रहेगा जब शासन व्यवस्था ठीक रहेगी। स्वास्थ्य पर सबसे अधिक कुठाराघात भ्रष्टाचार की वजह से पड़ता है। भ्रष्टाचारी बीमारी बढ़ाता है लेकिन अब भ्रष्टाचारियों की खैर नहीं है। मौजूद समय में जो भी भ्रष्टाचार करता है कानून का शिकंजा उस तक पहुंच ही जाता है। भ्रष्टाचार करने वाला चाहे जितने बड़े परिवार अथवा नाम का हो कानून सबके लिए बराबर काम कर रहा है। यह बातें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को राजाजीपुरम स्थित पीएनटी ग्राउंड पर दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेले के उद्घाटन अवसर पर कहीं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में राजाजीपुरम स्थित पीएनटी ग्राउंड पर दो दिवसीय अटल स्वास्थ्य मेला आज से शुरू हुआ है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि स्वस्थ जीवन ही जीवन है। आपके पास एक ही विकल्प है स्वस्थ रहना। माया का सुख भी तभी मिलेगा, जब निरोगी काया होगी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि एक समय था जब आम जनता को दिल्ली से चलने वाला पैसा पूरा नहीं मिलता था लेकिन आज के समय में 100 प्रतिशत मिल रहा है। अटल जी की जो आकांक्षा और भावनाएं थीं वह आज पूरी हो रही हैं। अटल जी होते तो देखते कि उनका सपना सार्थक हो रहा है। आज भारत किसी के दृष्टिकोण का मोहताज नहीं है, हमारा देश पूरी दुनिया को दिशा दे रहा है। एक समय था कि स्वास्थ्य के मामले में हमने अंग्रेजियत को अपना लिया था लेकिन मौजूदा सरकार ने आयुष मंत्रालय का गठन कर हमें अपनी पुरानी पद्धति को अपनाने का अवसर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया 'सूरत डायमंड बोर्स' का उद्घाटन

ये बिल्डिंग बेहद खास है क्योंकि यह सबसे बड़ी इंटरकनेक्ट और अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन की ऑफिस से भी काफी बड़ी बिल्डिंग है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 17 दिसंबर को गुजरात में सूरत डायमंड बोर्स बिल्डिंग का उद्घाटन कर दिया है। ये बिल्डिंग अपने आप में बेहद खास है क्योंकि यह सबसे बड़ी इंटरकनेक्ट और अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन की ऑफिस से भी काफी बड़ी बिल्डिंग है। इस सूरत डायमंड बस में 4500 से अधिक ऑफिस बनाए गए हैं। इसका उद्घाटन करने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत एयरपोर्ट पर नए इंटीग्रेटेड टर्मिनल का उद्घाटन किया और उसके बाद रोड शो भी किया। बता दें कि सूरत डायमंड बोर्स बेहद खास है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय हीरे तथा आभूषण कारोबार के लिए दुनिया का सबसे बड़ा और आधुनिक सेंटर है। सूरत डायमंड बोर्स की इमारत 67 लाख वर्ग फुट से अधिक के क्षेत्र में फैली है जो दुनिया का सबसे बड़ा कार्यालय परिसर है। यह सूरत शहर के पास खजोद गांव में स्थित है। यह कच्चे और पॉलिश किए गए हीरों के साथ–साथ आभूषणों के व्यापार का एक वैश्विक केंद्र होगा। बयान में बताया गया है कि इसमें आयात और निर्यात के लिए एक अत्याधुनिक सीमा शुल्क निकासी गृह , खुदरा आभूषण व्यवसाय के लिए आभूषण मॉल, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग और सुरक्षित तिजोरी जैसी सुविधाएं होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में सूरत हवाई अड्डे की नए टर्मिनल भवन का रविवार को उद्घाटन किया। हवाई अड्डे की नए एकीकृत टर्मिनल भवन में व्यस्त समय के दौरान 1,200 घरेलू यात्रियों और 600 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को संभालने की क्षमता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इसमें व्यस्त समय के दौरान अपनी क्षमता को 3,000 यात्रियों तक बढ़ाने की व्यवस्था है। इसके साथ ही इस हवाई अड्डे की यात्रियों को संभालने की वार्षिक क्षमता बढ़कर अब 55 लाख यात्रियों तक हो गई है। टर्मिनल भवन को स्थानीय संस्कृति और विरासत के अनुरूप डिजाइन किया गया है। बता दें कि सूरत डायमंड बोर्स दुनिया का सबसे बड़ा कार्यालय परिसर है। इस परिसर का हिस्सा एसडीबी बिल्डिंग, डायमंड रिसर्च एंड मर्कैंटाइल सिटी, सूरत हवाई अड्डा का टर्मिनल भवन है। हीरा व्यापारियों ने इस कैंपस में पहले ही अपने ऑफिस का अधिकार हासिल कर लिया था। नीलामी के बाद मैनेजमेंट ने व्यापारियों को कार्यालय आवंटित किए थे। उद्घाटन की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इमारत के अंदर हीरा व्यापारी और कामगारों से बातचीत भी की है। सूरत डायमंड बोर्स की खासियत है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस कैंपस इमारत है जिसमें 4500 से अधिक हीरा व्यापारियों के कार्यालय होंगे।

नागपुर में सोलर एक्सक्लूसिव कंपनी में हुआ ब्लास्ट, अबतक सात लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। नागपुर में सोलर एक्सक्लूसिव कंपनी में जबरदस्त ब्लास्ट हुआ है। घटना रविवार को हुई है जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई है। सोलर एक्सप्लोसिव कंपनी में कास्ट बूस्टर प्लांट में यह धमाका पैकिंग के दौरान हुआ है। माना जा रहा है कि ब्लास्ट बेहद गंभीर है और हादसे में मरने वालों की तादाद में इजाफा हो सकता है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक मरने वालों में चार महिलाएं और तीन पुरुष शामिल है, जबकि हादसे में तीन लोग बुरी तरह घायल हुए हैं। घायलों का नजदीकी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। यह जानकारी एसपी नागपुर ग्रामीण हर्ष पोद्दार ने साझा की है। घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों की मान्य तो यह सोलर कंपनी नागपुर की अमरावती रोड पर बनी हुई है। माना जा रहा है कि हादसा रविवार की सुबह नौ बजे के समय हुआ जब एक्सप्लोसिव को पैक किए जाने का काम किया जा रहा था। चश्मदीदों की माने तो ब्लास्ट बहुत तेज था और इस ब्लास्ट में कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ब्लास्ट में अब तक सात लोगों की मौत की खबर है और तीन लोग घायल है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि विस्फोट सुबह नौ बजे बाजारगांव इलाके में 'सोलर इंडस्ट्रीज' की 'कास्ट बूस्टर' इकाई में हुआ।

काशी की जनता ने पुष्प वर्षा कर पीएम मोदी का किया जोरदार स्वागत

पीएम मोदी ने रोड शो के दौरान एक एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए अपना काफिला रोक दिया जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा

वाराणसी (एजेन्सी)। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को दो दिवसीय दौरे के लिए काशी पहुंचे. वायुसेना के विशेष विमान से पीएम मोदी लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट पहुंचे थे. इसके बाद प्रधानमंत्री ने सड़क मार्ग से सीधे मिंट हाउस स्थित छोटा कटिंग मेमोरियल के लिए प्रस्थान किया. इस दौरान उन्होंने रोड शो निकाला. जहां बड़ी संख्या में लोग पीएम का स्वागत करने पहुंचे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान पीएम के काफिले ने एक एंबुलेंस के लिए रास्ता भी छोड़ा। लाल बहादुर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से मिंट हाउस कटिंग मेमोरियल के बीच अतुलानंद चौराहे, मिंट हाउस सहित जगह–जगह बनाए गये स्वागत प्वाइंट पर बीजेपी कार्यकर्ता और काशी की जनता ने ढोल नगाड़े के साथ पुष्प वर्षा कर पीए का जोरदार स्वागत किया. नदेसर स्थित छोटा कटिंग मेमोरियल में नगरीय क्षेत्र की विकसित भारत संकल्प यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी नमो घाट पर आयोजित काशी तमिल संगमम कार्यक्रम में शामिल होंगे व लोगों से संवाद करेंगे. पीएम मोदी रात्रि विश्राम बरेका गेस्ट हाउस में करेंगे. 18 दिसम्बर को पूर्वाह्न प्रधानमंत्री मोदी उमरहां स्थित स्वर्वेद मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे. यहां मंदिर के अनुयायियों के साथ समागम करेंगे. इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी सेवापुरी विधानसभा के बरकी में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे.। बरकी स्थित जनसभा स्थल पर प्रधानमंत्री मोदी सासंद खेल प्रतियोगिता के विजेताओं से संवाद करेंगे. इसके बाद ग्रामीण विकसित भारत संकल्प यात्रा की प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे एवं योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करेंगे. प्रधानमंत्री मोदी 19,154 करोड़ से भी ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे. जिसमें 12578.91 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं 6575.61 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है. इसके बाद वहां आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में अपने रोड शो के दौरान एक एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए अपना काफिला रोक दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वायुसेना के विशेष विमान से 2:53 बजे वाराणसी एयरपोर्ट पर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सहित कई नेता एयरपोर्ट पर अगवानी के लिए पहुंचे। प्रधानमंत्री का काफिला सड़क मार्ग द्वारा अपहरान 3रू05 बजे रवाना हुआ। एयरपोर्ट मुख्य गेट से लगायत भारी संख्या में कार्यकर्ता कतार बद्ध होकर फूल वर्षा के साथ ही ढोल नगाड़ों की थाप बजती रही और प्रधानमंत्री का काफिला धीरे धीरे आगे बढ़ता रहा। इस दौरान प्रधानमंत्री अपने कार्यकर्ताओं का हाथ हिलाकर अभिवादन करते रहे।

पीएम मोदी ने कहा-अनुच्छेद 370 की वापसी कराने की ताकत ब्रह्मांड में किसी के पास नहीं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला है। एक अखबार को दिए इंटरव्यू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आर्टिकल 370 की वापसी ब्रह्मांड की कोई भी ताकत नहीं करवा सकती। सुप्रीम कोर्ट का जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को लेकर आए फैसले की बात प्रधानमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट भी इस बात पर मोहर लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट से साफ कर चुका है कि एक देश में दो कानून नहीं चलाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाना किसी राजनीतिक से ज्यादा जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए जरूरी था। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में विकास और जम्मू कश्मीर की जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए वहां से अनुच्छेद 370 को हटाना हम और महत्वपूर्ण कदम था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस पर भी जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कुछ परिवारों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए जम्मू को मुट्ठी में बंद कर लिया था। मगर जम्मू कश्मीर की जनता और जम्मू कश्मीर किसी राजनीति का हिस्सा नहीं है और ना ही बनना चाहता है।

संसद सुरक्षा : आरोपियों को पास देने वाले सांसद से अब होगी पूछताछ

माना जा रहा है कि सांसद के कार्यालय की ओर से मिले पास से ही आरोपी संसद भवन के अंदर गए थे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संसद की सुरक्षा में सेंध मामले में दिल्ली पुलिस ने एक और आरोपी महेश कुमावत को गिरफ्तार किया है। महेश को लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है और इस मामले अब तक कुल छह गिरफ्तारी हो चुकी है। महेश ने ही ललित झा की छिपने में मदद की थी। वहीं, स्पेशल सेल की टीम ने जले हुए मोबाइल के अवशेष के अलावा आरोपियों के कपड़े और जूते भी बरामद कर लिए हैं। दूसरी तरफ दिल्ली पुलिस सांसद प्रताप सिम्हा के बयान लेने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि पुलिस उनके पास जाकर बयान दर्ज करेगी। सांसद के कार्यालय की ओर से मिलने पास से ही आरोपी संसद भवन के अंदर गए थे। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने महेश कुमावत की गिरफ्तारी के बाद उसे सुबह ही दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने कुमावत को सात दिनों को पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पुलिस ने अदालत से आरोपी की 15 दिनों की रिमांड मांगी थी। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महेश पिछले 2 सालों से दूसरे आरोपियों से जुड़ा हुआ था और वह साजिश का पूरी तरह हिस्सा था। उसने लगभग सभी बैठकों में उसने भाग लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वह मुख्य आरोपी ललित झा के साथ मोबाइल फोन और सबूत नष्ट करने में सक्रिय रूप से शामिल था। वह नीलम को भी अच्छी तरह जानता है। वरिष्ठ पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच टीम ने महेश का इंस्टाग्राम डिकोड कर कई खुलासे किए हैं। महेश पर युवाओं को भड़काने के साथ–साथ वीडियो के जरिए उनका ब्रेन वॉश करने का आरोप है। वह अपने इंस्टाग्राम पर कथित क्रांतिकारियों की तस्वीरें लगाता था। महेश कुमावत ने ललित झा की छिपने में भी मदद की थी। उसके इंस्टाग्राम पोस्ट से खुलासा हुआ है कि वह सिर्फ आरोपियों को लॉजिस्टिक सहायता ही उपलब्ध नहीं कराता था बल्कि इस गुट और साजिश का अहम किरदार था। आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया है कि इस पूरे प्रकरण का मास्टरमाइंड ललित झा है। सभी आरोपी सोशल मीडिया के जरीए जुड़े थे और एक–दूसरे को काफी दिनों से जानते थे। ये लोग इस घटना को अंजाम देने के लिए कई दिनों से प्लानिंग कर रहे थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की एक टीम नीलम को जींद व हिसार ले गई। उसे हिसार में उस पीजी में ले जाया गया, जहां वह रहती है। पुलिस ने नीलम को हरियाणा ले जाने से पहले उसका सफदरजंग अस्पताल में मेडिकल कराया गया था। वरिष्ठ पुलिस सूत्रों का कहना है कि जांच टीम ने महेश का इंस्टाग्राम डिकोड कर कई खुलासे किए हैं। महेश पर युवाओं को भड़काने के साथ–साथ वीडियो के जरिए उनका ब्रेन वॉश करने का आरोप है।

हम जल, थल, नभ और पाताल में भी अपने लोगों की रक्षा में सक्षम : सुधांशु त्रिवेदी

श्रावस्ती (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ताएवं राज्यसभा सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने यहां कहा कि देश ''जल, थल, नभ और पाताल में भी अपने लोगों की रक्षा करने में सक्षम'' हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा देश सीमा पार आतंकवादियों को मार कर देश को सुरक्षित करता है तो देश के अंदर सुरंग में फंसे अपने 41 नागरिकों को भी सुरक्षित बचा कर लाता है। त्रिवेदी ने सिलक्यारा सुरंग से सकुशल वापस लौटे श्रावस्ती जिला निवासी छह श्रमिकों तथा उनके बचाव में लगाये गये राज्य समन्वयक को उनके साहस के लिए यहां सम्मानित किया। केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत आयोजित चौपाल के मुख्य अतिथि के तौर पर त्रिवेदी जिले में नेपाल सीमा से सटे सिरसिया क्षेत्र के बभनी गांव पहुंचे थे। त्रिवेदी ने इस अवसर पर कहा, ''अब हम जल, थल, नभ और पाताल में भी अपने लोगों की रक्षा में सक्षम हैं। हमारा देश सीमा पार आतंकवादियों को मार कर देश को सुरक्षित करता है और देश के अंदर सुरंग में फंसे अपने 41 नागरिकों को भी सुरक्षित बचा कर लाता है। गौरतलब है कि उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बन रही सिलक्यारा सुरंग में काम कर रहे 41 मजदूर बीते माह सुरंग धंसने से मलबे के पीछे फंस गये थे।

सम्पादकीय

अब भी क्यों पिछड़ा है बिहार, कार्यबल की पूर्ति बदल सकती है हालात

बिहार में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में भारी रिक्तियां हैं। ऐसे में, न सिर्फ वहां स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होने की संभावना कम है, बल्कि वह अधिक रोजगार भी नहीं दे सकता। हाल ही में बिहार में निवेश शिखर सम्मेलन हुआ। इसके बावजूद वहां निवेश बढ़ने की संभावना कम है। बिहार रोजगार रिपोर्ट टीम के संचालक के तौर पर अपने अध्ययन में मैंने पाया कि संगठित अपराध का संचालन बिहार से उद्योगों के पलायन का एक कारण है। ऐसे में, वहां पर्याप्त पुलिसकर्मियों का होना जरूरी है। वर्ष 2022 तक स्थायी और संविदा कर्मचारियों सहित बिहार में राज्य सरकार का कुल रोजगार 4.5 लाख के करीब था। इनमें से लगभग 85 फीसदी तीन क्षेत्रों से हैं–स्कूल और उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य तथा पुलिस। बिहार की सरकारी स्कूल प्रणाली अन्य राज्यों की तरह राज्य सरकार की सबसे बड़ी नियोक्ता है। वित्त वर्ष 2012 तक बिहार के सरकारी स्कूलों में चार लाख शिक्षक थे, जिनमें से करीब 3.5 लाख शिक्षक अनुबंध पर थे। इसने 55.28 का छात्र–शिक्षक अनुपात (पीटीआर) दिया, जो उत्तर प्रदेश (33), महाराष्ट्र (30.40), पश्चिम बंगाल (34.88), कर्नाटक (28.69) और तमिलनाडु (24.52) जैसे राज्यों से काफी अधिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) द्वारा निर्धारित 30 के पीटीआर बेंचमार्क को पूरा करने के लिए बिहार को वित्त वर्ष 22 में 3.38 लाख से अधिक सरकारी स्कूल शिक्षकों की आवश्यकता थी। उच्च शिक्षा में, 2022 की शुरुआत तक 13,500 से अधिक शिक्षण और 8,000 से अधिक गैर–शिक्षण पदों के साथ स्वीकृत रिक्तियों की संख्या 22,000 के करीब थी। हाल के वर्षों में यह संख्या बढ़ी है। बिहार की उच्च शिक्षा पीटीआर 60 है, जबकि अखिल भारतीय आंकड़ा 24 था। स्कूली शिक्षा के विपरीत, बिहार सरकार के उच्च शिक्षण संस्थानों में रोजगार पुनर्जीवित नहीं हुआ है। बिहार की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली कोविड–19 के दौरान ही बेपर्दा हो गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने प्रति 1,000 व्यक्तियों पर एक डॉक्टर का मानक तय किया है। लेकिन बिहार में प्रति 22,000 व्यक्ति पर एक सरकारी डॉक्टर है। वर्ष 2021–22 की ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी रिपोर्ट ने बिहार में स्वीकृत रिक्तियां 58,400 से अधिक और भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक बेंचमार्क के आधार पर कुल कमी 64,300 से अधिक बताई है। दूसरी ओर, 2021–22 बिहार हेल्थ सोसाइटी की रिपोर्ट के अनुसार, स्वीकृत रिक्तियों की संख्या लगभग 38,000 है। स्वास्थ्य सेवाओं में रिक्तियां भरने की कोई कोशिश भी नहीं दिखती। बिहार सरकार में तीसरी प्रमुख भर्तीकर्ता बिहार पुलिस है। संयुक्त राष्ट्र प्रति एक लाख की आबादी पर कम से कम 222 पुलिसकर्मी निर्धारित करता है। पर संयुक्त राष्ट्र के मानक पर चलने के लिए एक जनवरी, 2022 तक बिहार पुलिस को अतिरिक्त 1.82 लाख कर्मचारियों की आवश्यकता थी। जबकि बिहार पुलिस की कुल कार्यरत संख्या 1.43 लाख है। वर्ष 2023 के मध्य तक वहां पुलिस बल की 75 हजार स्वीकृत रिक्तियां थीं। दशकों की इस घोर उपेक्षा का परिणाम है कि बिहार में भूमि और संपत्ति से जुड़े अपराधों की संख्या देश में सर्वाधिक है, जबकि हत्या, हत्या के प्रयास, बलात्कार और दलितों के खिलाफ अपराधों में बिहार दूसरे स्थान पर है (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, 2021)। हालांकि 2022 के अंत में वहां एक बार में करीब 10,500 पुलिसकर्मियों को काम पर रखा गया है और अन्य 22,650 की भर्ती पहले से ही चल रही है। फिर भी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर बिहार में उपरोक्त तीन क्षेत्रों में कुल कार्यबल की कमी 2022 तक लगभग छह लाख थी, जबकि स्वीकृत रिक्तियां 3.75 लाख से अधिक थीं। इसने दशकों तक बिहार में सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता को निचले स्तर पर बनाए रखा है। राज्य को गरीबी और पिछड़ेपन के चक्र से बाहर निकालने के लिए शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों की पर्याप्त नियुक्ति जरूरी है।

ब्रांड बनाने में बुनियादी चीजें सबसे ज्यादा जरूरी हैं

पिछले महीने बेंगलुरु प्रवास के दौरान मैंने थ्री–डी प्रिंटेड पोस्ट ऑफिस की यात्रा को अपनी योजना में शामिल किया क्योंकि यह ऐसा देश का पहला पोस्ट ऑफिस है। मैंने अखबार में पढ़ा था कि रेलवे, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 18 अगस्त 2023 को इसका वर्चुअली उद्‌घाटन किया था। थ्री–डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी से बनी यह देश की पहली व्यावसायिक इमारत है, यह एक हजार वर्ग फीट में बनी है और पारंपरिक निर्माण की तुलना में इसकी निर्माण लागत 40: कम आई है। 43 दिनों में तैयार हो जाने वाला यह इकलौता पोस्ट ऑफिस है, यह प्रोजेक्ट के लिए तयशुदा अवधि से दो दिन पहले ही बन गया। भविष्य की झलक दिखलाने वाले इस प्रोजेक्ट की संरचनात्मक डिजाइन और निर्माण की जिम्मेदारी लारसन एंड टर्बो लिमिटेड ने ली थी, जबकि टेक्नोलॉजी सपोर्ट आईआईटी मद्रास ने दिया था। घुमावदार आकार में बनी इमारत ना सिर्फ सुंदर है बल्कि पोस्ट ऑफिस की सेवाओं में भी कोई शिकायत नहीं है। पर मुझे यह सुनकर धक्का लगा जब स्थानीय लोगों को मजाक–मजाक में यह कहते हुए सुना कि अगर कोई पोस्ट ऑफिस जाना चाहता है तो उसे दो या तीन पानी की बोतल रिश्वत में देनी पड़ेंगी! जब तक मैं वहां गया नहीं, मुझे यह अजीब लगा। दिलचस्प है कि ठेकेदार ने बिना पानी के ही पाइपलाइन लगा दी है। मालूम चला है कि उन्होंने बगल के अस्पताल से पानी लाने की अस्थाई व्यवस्था की है। पोस्ट ऑफिस ने कावेरी जल की आपूर्ति के लिए स्थानीय जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड को भुगतान कर दिया है लेकिन इसके बावजूद पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू नहीं हुआ (इस शुक्रवार लेख लिखे जाने तक) था। और उस विभाग का घिसा–पिटा जवाब है कि काम चल रहा है (भगवान जाने इसका असली अर्थ क्या है) और एक हफ्ते में पूरा हो जाएगा। एक और दिलचस्प बात है कि चूंकि इमारत बहुत सघन इलाके में बनी है, ऐसे में वहां कर्मचारियों तक के लिए पार्किंग की एक भी जगह नहीं है। मतलब अधिकारी चाहते हैं कि सभी कर्मचारी गाड़ियां कहीं और खड़ी करें और चलकर थ्री–डी बिल्डिंग तक आएं। इस ऑफिस की यात्रा का खयाल शुक्रवार को फिर से तब आया, जब मैं इंदौर से सड़क मार्ग से सेंधवा गांव होते हुए जलगांव जा रहा था। जैसे–जैसे सूरज ढलने लगा, अटगांव, चोपड़ा और धरनगांव गांवों से शुरू होने वाले पूरे रास्ते भर लोग खुले में शौच करते हुए दिखे, जबकि अधिकांश के घर 'पक्के' थे। सड़क किनारे सैकड़ों लोगों को शौच करते देखकर दुख हुआ, कुछ साल पहले जब हमने शौचालय के मुद्दे को गंभीरता से लिया था तो मुझे लगा था कि भारत में यह पुरानी बात हो गई है। जबकि इन गांवों में चमचमाते हुए पेट्रोल पंप हैं और सैकड़ों दो–पहिया और कभी–कभार आने वाले ट्रक में ईंधन भरने में व्यस्त थे, लेकिन उन्होंने शौचालय जैसी बुनियादी बातों के बारे में कभी नहीं सोचा। जब भी शौचालय जैसी बुनियादी चीज की बात आती है तो महाराष्ट्र के दूर–दराज के इलाकों में होटल बिजनेस ने हमेशा निराश किया है। उनकी हालत बदतर है। बिस्तर फीके होते हैं और मन ही नहीं करता कि थका हुआ मेहमान उस पर आराम करे, वॉशरूम में रोशनी इतनी धीमी होती है कि मेहमानों को लगता है कि कम से कम जाने की जरूरत पड़े। उनकी वॉशरूम में रखी पीले दाग वाली टॉवेल को मुंह के पास तक लाने की इच्छा नहीं होती और कॉकरोच से भरी किचन को देखकर मन से खाने की इच्छा तक नहीं होती। दाग भरी टाइल (जहां भी हैं) देखकर वहां रुकने की इच्छा नहीं होती। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि स्टार होटल और महंगे आवास इस क्षेत्रों में जबरदस्त कारोबार करते हैं। फंडा यह है कि अगर आप बुनियादी चीजों को हल्के में लेने लगेंगे, तो चमकदार चीजों पर आप कितना भी खर्च करें, इससे ब्रांड के रूप में खड़ा करने में कभी मदद नहीं मिलेगी। एक और दिलचस्प बात है कि चूंकि इमारत बहुत सघन इलाके में बनी है, ऐसे में वहां कर्मचारियों तक के लिए पार्किंग की एक भी जगह नहीं है। मतलब अधिकारी चाहते हैं कि सभी कर्मचारी गाड़ियां कहीं और खड़ी करें और चलकर थ्री–डी बिल्डिंग तक आएं। इस ऑफिस की यात्रा का खयाल शुक्रवार को फिर से तब आया, जब मैं इंदौर से सड़क मार्ग से सेंधवा गांव होते हुए जलगांव जा रहा था। जैसे–जैसे सूरज ढलने लगा, अटगांव, चोपड़ा और धरनगांव गांवों से शुरू होने वाले पूरे रास्ते भर लोग खुले में शौच करते हुए दिखे, जबकि अधिकांश के घर 'पक्के' थे।

1971 के युद्ध का सबक, मजहब राष्ट्रों की एकजुटता की गारंटी नहीं

जयसिंह रावत

पाकिस्तान के जन्म के साथ से ही पश्चिमी पाकिस्तान की ओर से पूर्वी पाकिस्तान यानी बांग्लादेश के साथ भेदभाव शुरू हो गया। 1948 में उर्दू को पाकिस्तान की राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। बांग्लाभाषी लोगों में इसे लेकर गुस्सा भड़क उठा। ढाका में छात्रों के एक बड़े समूह ने बांग्ला को बराबरी का दर्जा दिए जाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने निहत्थे छात्रों पर गोलियां चलाईं। कई निहत्थे लोग इस गोलीबारी में मारे गए। इसके बाद बांग्ला आंदोलन हिंसक हो गया। इस आंदोलन ने भाषाई पहचान को लेकर अलग देश की मांग के बीज बो दिए। इस आंदोलन ने बंगाली राष्ट्रीय अस्मिता को जन्म दिया और फिर शुरू हुई अलग राष्ट्र बनाने की मांग। बांग्लादेश की आजादी को लेकर संघर्ष के बीज तो 1952 में ही पड़ गए गए थे, जब पाकिस्तानी हुकूमत ने उर्दू को पूरे देश की आधिकारिक भाषा बनाने की घोषणा की थी।

विश्व के इतिहास में 16 दिसम्बर का दिन अमिट हो गया। उसी दिन विश्व के राजनीतिक मानचित्र पर एक नया राष्ट्र उभरा और उसी दिन भारत की सेना के समक्ष पाकिस्तान के 93 हजार से अधिक सैनिकों ने अपने सेना प्रमुख जनरल अमीर अब्दुल्ला खान नियाजी के साथ आत्म समर्पण कर युद्धों के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया। विश्व के इतिहास और राजनीतिक भूगोल को बदलने वाले महानायक इंदिरा गांधी, मानेक शॉ और जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा आदि भले ही आज सशरीर मौजूद नहीं हैं मगर जब भी नया राष्ट्र बांग्लादेश अपना स्थापना दिवस मनाएगा और भारतवासी अपने गौरवमय इतिहास में झांकेंगे तो तब ये महानायक जरूर याद आएंगे। यही नहीं पाकिस्तान जब भी भारत के खिलाफ सैन्य दुस्साहस करेगा तब–तब उसे 1971 की शर्मनाक हार जरूर याद आएगी। सन् 1971 की जीत ने अंग्रेजों द्वारा धर्म के आधार पर 1905 में किए गए बंगाल विभाजन और दुबारा इसी आधार पर भारत के विभाजन की सोच को गलत साबित कर दिया। विजय दिवस न केवल भारत की पाकिस्तान पर 1971 में शानदार जीत की याद दिलाता है बल्कि यह बांग्लादेश के जन्म की कहानी भी कहता है। तेरह दिनों तक चले इस युद्ध में भारतीय सेना के बहादुरी और शौर्य के सामने पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए। 16 दिसंबर 1971 को शाम 4.35 बजे पाकिस्तान के लेफ्टिनेंट जनरल ए.के.नियाजी ने 93 हजार सैनिकों के साथ भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और भारत के लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के सामने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का ये सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण था। इसके साथ ही दुनिया के मानचित्र पर एक नए देश बांग्लादेश का उदय हुआ। 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में भारत की विजय और बांग्लादेश के निर्माण ने पूरी दुनिया में जहां भारत का सम्मान बढ़ाया वहीं भारत ने दिखा दिया कि मानवता की रक्षा और अपनी सुरक्षा के लिए वह पूरी तरह से सक्षम और समर्थ है। पाकिस्तान का जन्म धर्म के आधार पर हुआ था,लेकिन धर्म पाकिस्तान को लंबे अरसे तक एकजुट नहीं रख सका। तब मौजूदा पाकिस्तान पश्चिमी पाकिस्तान था और आज का बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान के नाम से जाना जाता था। आजादी के कुछ साल बाद ही पंजाबी प्रभुत्व और पश्चिमी पाकिस्तान के दबदबे के खिलाफ पूर्वी हिस्से में असंतोष पनपने लगा। 1971 में बांग्लादेश का जन्म दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक घटनाओं में से एक थी। भारतीय सैनिकों ने जिस साहस से सिर्फ तेरह दिन पाकिस्तान को घुटने टेकने को मजबूर कर दिया, उसके साथ ही दुनिया का नक्शा बदल गया और दुनिया के नक्श पर बांग्लादेश नया देश बन गया।

दरअसल आज का बांग्लादेश और 1971 से पहले का पूर्वी पाकिस्तान वही पूर्वी बंगाल था जिसे अंग्रेजों ने धर्म के आधार पर 1905 में विभाजित किया था। पाकिस्तान के जन्म के साथ से ही पश्चिमी पाकिस्तान की ओर से पूर्वी पाकिस्तान यानी बांग्लादेश के साथ भेदभाव शुरू हो गया। 1948 में उर्दू को पाकिस्तान की राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। बांग्लाभाषी लोगों में इसे लेकर गुस्सा भड़क उठा। ढाका में छात्रों के एक बड़े समूह ने बांग्ला को बराबरी का दर्जा दिए जाने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने निहत्थे छात्रों पर गोलियां चलाईं। कई निहत्थे लोग इस गोलीबारी में मारे गए। इसके बाद बांग्ला आंदोलन हिंसक हो गया। इस आंदोलन ने भाषाई पहचान को लेकर अलग देश की मांग के बीज बो दिए। इस आंदोलन ने बंगाली राष्ट्रीय अस्मिता को जन्म दिया और फिर शुरू हुई अलग राष्ट्र बनाने की मांग। बांग्लादेश की आजादी को लेकर संघर्ष के बीज तो 1952 में ही पड़ गए गए थे, जब पाकिस्तानी हुकूमत ने उर्दू को पूरे देश की आधिकारिक भाषा बनाने की घोषणा की थी। बांग्ला संस्कृति व भाषा की अलग पहचान समेटे पूर्वी पाकिस्तान के लिए तब हुकूमत का वह फैसला अस्मिता का सवाल बन गया। जिसकी परिणिति एक अलग व स्वतंत्र देश के रूप में सामने आई। शेख मुजीबुर रहमान पूर्वी पाकिस्तान की स्वायत्ता के लिए शुरू से संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने इसके लिए छह सूत्री कार्यक्रम की घोषणा की थी। इन सब बातों से वह पाकिस्तानी शासन की आंख की किरकिरी बन चुके थे। साथ ही कुछ अन्य बंगाली नेता भी पाकिस्तान के निशाने पर था। उनके दमन के लिए और बगावत की आवाज को हमेशा से दबाने के मकसद से शेख मुजीबुर रहमान और अन्य बंगाली नेताओं पर अलगाववादी आंदोलन के लिए मुकदमा चलाया गया। लेकिन पाकिस्तान की यह चाल खुद उस पर भारी पड़ गई। मुजीबुर रहमान इससे पूर्वी पाकिस्तान के लोगों की नजर में हीरो बन गए।

इससे पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया और मुजीबुर रहमान के खिलाफ षडयंत्र के केस को वापस ले लिया। बांग्लादेश के अस्तित्व के लिए पाकिस्तान में 1970 का चुनाव काफी अहम साबित हुआ। इस चुनाव में मुजीबुर रहमान की पार्टी अवामी लीग ने जबर्दस्त जीत हासिल की। पूर्वी पाकिस्तान की 169 से 167 सीट मुजीब की पार्टी को मिली। इस तरह 313 सीटों वाली पाकिस्तानी संसद में मुजीब के पास सरकार बनाने के लिए जबर्दस्त बहुमत था। लेकिन पाकिस्तान को नियंत्रित कर रहे पश्चिमी पाकिस्तान के नेताओं और सैन्य लीडरों को यह मंजूर नही था कि पूर्वी पाकिस्तानी या बंगाली पाकिस्तान पर शासन करें। मुजीब के साथ इस धोखे से पूर्वी पाकिस्तान में बगावत की आग स्वाभाविक थी। पूर्वी बंगाल लोग सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने लगे। लेकिन पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठान ने पूर्वी पाकिस्तान में सेना का सहारा लेकर दमन शुरू कर दिया। पाकिस्तान के चुनावों में धोखा खाने के बाद पूर्वी पाकिस्तान में आजादी का आंदोलन दिन ब दिन तेज होता जा रहा था। पाकिस्तान की सेना ने आंदोलन को दबाने के लिए अत्याचार का सहारा लिया। मार्च 1971 में पाकिस्तानी सेना ने क्रूरतापूर्वक अभियान शुरू किया। पूर्वी बंगाल में बड़े पैमाने पर अत्याचार किए गए। हत्या और बलात्कार की पराकाष्टा हो गई। मुजीब को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी और टॉर्चर से बचने के लिए बड़ी संख्या में अवामी लीग के सदस्य भागकर भारत आ गए। शुरू में पाकिस्तानी सेना की चार इन्फैंट्री ब्रिगेड अभियान में शामिल थी लेकिन बाद में उसकी संख्या बढ़ती चली गई। भारत में शरणार्थी संकट बढ़ने लगा। एक साल से भी कम समय के अंदर बांग्लादेश से करीब 1 करोड़ शरणार्थियों ने भागकर भारत के पश्चिम बंगाल में शरण ली। इससे भारत पर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव बढ़ गया। बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम को 30 जनवरी 1971 के एयर इंडिया के ष्गंगाष्नाम के विमान के अपहरण और फिर कश्मीरी अलगाव वादियों द्वारा गंगा को जला देने की घटना से भी जोड़ा जाता है। माना जाता रहा है कि विमान अपहरण की इस घटना ने इंदिरागांधी को झकझोर दिया था। उसके बाद भारतीय आकाश से पाकिस्तानी विमानों के उड़ने पर भारत ने रोक लगा दी थी जिससे पाकिस्तानी सेना का मूवमेंट काफी प्रभावित हुआ। माना जाता है कि मार्च 1971 के अंत में भारत सरकार ने मुक्तिवाहिनी की मदद करने का फैसला लिया। मुक्तिवाहिनी दरअसल पाकिस्तान से बांग्लादेश को आजाद कराने वाली पूर्वी पाकिस्तान की सेना थी।

मुक्तिवाहिनी में पूर्वी पाकिस्तान के सैनिक और हजारों नागरिक शामिल थे। 31 मार्चए 1971 को इंदिरा गांधी ने भारतीय सांसद में भाषण देते हुए पूर्वी बंगाल के लोगों की मदद की बात कही थी। 29 जुलाईए 1971 को भारतीय सांसद में सार्वजनिक रूप से पूर्वी बंगाल के लड़कों की मदद करने की घोषणा की गई। भारतीय सेना ने अपनी तरफ से तैयारी शुरू कर दी। इस तैयारी में मुक्तिवाहिनी के लड़ाकों को प्रशिक्षण देना भी शामिल था। मुक्ति वाहिनी में भारत के पैरामिलिट्री के सैनिक भी सादी वर्दी में शामिल हुए। जब पूर्वी पाकिस्तान संकट विस्फोटक स्थिति तक पहुंच गया तो पश्चिमी पाकिस्तान में बड़े.बड़े मार्च हुए और भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की मांग की गई। दूसरी तरफ भारतीय सैनिक पूर्वी पाकिस्तान की सीमा पर चौकसी बरते हुए थे। 23 नवंबर, 1971 को पाकिस्तान के राष्ट्रपति याह्य खान ने पाकिस्तानियों से युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा। 3 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान की वायु सेना ने भारत पर हमला कर दिया। भारत के अमृतसर और आगरा समेत कई शहरों को निशाना बनाया। इसके साथ ही 1971 के भारत.पाक युद्ध की शुरुआत हो गई। 16 दिसंबरए 1971 को पाकिस्तान की सेना के आत्मसमर्पण और बांग्लादेश के जन्म के साथ युद्ध का समापन हुआ।

इंटरनेट,कंप्यूटर और मोबाइल आम उपभोक्ता की जेबों में सुराग

संजीव ठाकुर

टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट के अविष्कार के बाद मानवीय संचार माध्यम के अविष्कार के बाद संचार विज्ञान के इतिहास में अत्यंत समीचीन तथा भविष्य का एक तूफानी विकास है। विभिन्न संचार माध्यमों के आपस में जुड़े कंप्यूटर एवं विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का समूह कंप्यूटर नेटवर्क कहा जाता है, और इन्हीं कंप्यूटर नेटवर्क का विश्व स्तरीय अंतरजाल को अंग्रेजी में इंटरनेट कहा जाता है। अमेरिका में एक दूसरे के सूचना माध्यमों को जोड़कर जानकारी गुप्त रूप से आदान–प्रदान करने के लिए 1969 में अमेरिका में कंप्यूटर में श्अपारनेटश की स्थापना की गई थी। इसी परिकल्पना के साथ कंप्यूटर नेटवर्क, आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क इंटरनेट के रूप में परिवर्तित हो गया। इंटरनेट का सार्थक उपयोग समाज में शिक्षा संगठन और भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पॉजिटिव ट्रैक होने के साथ एक चमत्कारिक परिवर्तन समाज में आया है। आज लोगों के शौक खेलना, पढ़ना ,संगीत सुनना, चित्र बनाना ,फोटोग्राफी परिवर्तित होकर 90: लोगों के इंटरनेट सर्फिंग, संगीत सुनना और चित्र बनाने जैसे शौक इंटरनेट से मोबाइल अथवा कंप्यूटर के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। विश्व में जनसंख्या के हिसाब से 4 अरब लोग इंटरनेट कंप्यूटर तथा मोबाइल के माध्यम से सुबह शाम इस्तेमाल कर रहे हैं। भारतीय परिपेक्ष में 140 करोड़ की अनुमानित जनसंख्या वाले देश में लगभग 40: लोग मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग कर एक दूसरे से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट एक ऐसा सेवक है जो मोबाइल के माध्यम से आपके सभी आदेशों का पालन करने के लिए दिन रात उपलब्ध है। मोबाइल और कंप्यूटर में उपयोग होने वाला इंटरनेट एक ऐसा अंतरजाल है जिस का आविष्कार सूचनाओं को साझा करने के उद्देश्य किया गया था और अब सूचना प्रौद्योगिकी के इस वर्तमान काल में दस्तावेजों एवं ध्वनि माध्यम के साथ वीडियो का आदान प्रदान करना भी इंटरनेट के माध्यम से संभव हो गया है। हवाई जहाज की, होटल की, किताबों की और व्यापार बढ़ाने की योजनाओं की बुकिंग इंटरनेट द्वारा घर बैठे कंप्यूटर या मोबाइल से किया जा सकता है। सरकार की प्रशासनिक कार्यों से लेकर व्यापार ,शिक्षा के नव अवसर भी इंटरनेट के माध्यम से पूर्ण किए जाने लगे हैं। इंटरनेट ने पूरे विश्व को एक दूसरे के एकदम करीब लाने के साथ–साथ सूचना प्रौद्योगिकी में एक चमत्कारिक परिवर्तन लाया है। भारत में इस इंटरनेट या अंतरजाल ने जहां पूरे भारत को एक करके रख दिया है वहीं दूसरी तरफ इंटरनेट की सेवाएं जो एयरटेल आइडिया, डोकोमो, टाटा,जिओ और बीएसएनएल जैसी कंपनियां भारतीय उपभोक्ताओं को शहर से लेकर गांव तक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दूसरी तरफ पूर्व में जहां गरीब उपभोक्ता 10 से लेकर 100 तक आसानी से रिचार्ज करा लिया करता था ,अब इंटरनेट की कंपनियां 200 से लेकर 1000 तक बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट की सुविधा भी साथ में उपलब्ध करा रहे हैं जो सीधे–सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंध मारने जैसा कार्य है। हालांकि यह सेवाएं स्वैच्छिक हैं, उपभोक्ता इंटरनेट की सेवाएं लेना चाहे तो ले अन्यथा केवल बातचीत करने की सेवाएं सी ले सकता है,पर एक बार इंटरनेट इस्तेमाल करने की आदत पड़ने के बाद उपभोक्ता इसका आदी होने लगता है।अब स्थिति यह है कि सीधा 28,58,89 दिनों के लिए इंटरनेट के साथ बात करने की सुविधा महंगी दरों में उपलब्ध कराई जा रही है। जिससे गरीब उपभोक्ता की जेबों में हमला कर उनका मासिक बजट बिगाड़ने का काम हो रहा है, इस तरह से बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट भी दिया जाना भारत के ग्रामीण क्षेत्र में गरीब व्यक्ति को और भी गरीबी के दलदल में धकेलने जैसा ही है। यह सभी कंपनियों का गरीब उपभोक्ता के जेबों में सीधे–सीधे पैसे निकालने का सुनियोजित षड्यंत्र की तरह कर रहीं है। भारत के हर तीसरे व्यक्ति के पास एंड्राइड या स्मार्टफोन उपलब्ध है और यह बड़ी कंपनियां हर माह इन उपभोक्ताओं को आवश्यक रूप से इंटरनेट उपलब्ध कराने के पैकेज देकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास कर रही है, इस पर प्रभावी नियंत्रण अति आवश्यक है। इस तरह के मोबाइल रिचार्ज पर सरकार को कड़ा कानून बनाकर इस के नियमन पर नियंत्रण रखना होगा। यह एक तरह की उपभोक्ताओं की परोक्ष तथा अदृश्य भावनाओं से खेल कर उनके बजट से आर्थिक लाभ लेने की सुनियोजित योजनाएं हैं ,जिनमें तत्काल नियंत्रण की आवश्यकता होगी।

बावन साल पुरानी विजय की याद और बांग्लादेश की मुक्ति

पर ईंधन खत्म होने के कारण लैंडिंग करते वक्त हमें एक इंजन खोना पड़ा। इसी तरह हमने कई अभियान चलाए। आठ दिसंबर को हम तस्वीर लेने के मिशन पर थे, जब हम गुवाहाटी में लॉन्चिंग एअरफील्ड पहुंचे, तो ईंधन भरने के लिए मुश्किल से समय बचा था। भारतीय नौसेना की कार्रवाई से तालमेल बिठाने के लिए हमें दो बजे तक कॉक्स बाजार स्थित अपने पहले लक्ष्य तक पहुंचना महत्वपूर्ण था। और इसलिए हमें तेजी से उड़ान भरनी थी, ताकि विमान सुरक्षित रूप से समय पर पहुंच सके। इस तरह की उड़ान में बहुत ईंधन खर्च होता है। हमें फोटो लेने के लिए आईजोल (मिजोरम) से पूर्वी पाकिस्तान में प्रवेश करना था। जैसे ही हम तेजी से आगे बढ़े, हमारे विमान पर हमला हुआ।

प्रशांत दीक्षित

वर्ष 1971 में पाकिस्तानी सेना ने अपने ही मुल्क के पूर्वी हिस्से के नागरिकों का नरसंहार किया था, जिसके चलते वहां से भाग रहे 65 लाख शरणार्थियों की समस्याओं से भारत जूझ रहा था। मानवीय क्रूरता के काले इतिहास में पूर्वी पाकिस्तान में हुए इस नरसंहार को सबसे वीभत्स माना गया है। इन पंक्तियों को लिखते हुए मैं अनुमान लगा सकता हूं कि 16 दिसंबर, 2023 को बांग्लादेश की धरती पर खड़े होकर उसकी मुक्ति और विजय दिवस मनाते हुए कैसा रोमांच महसूस होगा। क्रूर पाकिस्तानी शासन से बांग्लादेश की मुक्ति के लिए भारत के राष्ट्रीय प्रयासों का मैं भी एक हिस्सा था। 25 मार्च, 1971 की रात को पाकिस्तानी सेना ने अपने ही मुल्क के पूर्वी हिस्से के नागरिकों पर लगातार कहर बरपाना शुरू कर दिया था। अकेले ढाका में हजारों लोगों को गोली मार दी गई, बम गिराए गए और जला दिया गया। जुलाई, 1971 तक भारत इस नरसंहार के चलते भाग रहे 65 लाख शरणार्थियों की समस्याओं से जूझ रहा था। मानवीय क्रूरता के काले इतिहास में पूर्वी पाकिस्तान में हुए इस नरसंहार को शायद बोस्निया और रवांडा से ज्यादा रक्तरंजित व वीभत्स माना गया है। भारत इस नरसंहार की और ज्यादा अनदेखी नहीं कर सकता था। विशुद्ध मानवीय कारणों से उसे इसमें हस्तक्षेप करना पड़ा। अपने नागरिकों पर छाए गंभीर भावनात्मक एवं आर्थिक बोझ के चंगुल से खुद को बचाना इसके लिए जरूरी था। भारत सरकार के समक्ष इस मानवीय त्रासदी का एकमात्र समाधान सैन्य अभियान ही था। तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सैन्य प्रमुख जनरल सैम मानेकशॉ (बाद में फील्ड मार्शल) के साथ एक बैठक की थी और फिर सैन्य योजनाकारों ने अपनी योजनाएं बनाईं। मुक्ति वाहिनीश को अप्रैल, 1971 में भारत ने बांग्लादेश के स्वतंत्रता सेनानियों के रूप में समर्थन दिया था, जो चार दिसंबर, 1971 को होने वाली सैन्य कार्रवाई की प्रस्तावना थी। लेकिन इससे पहले पाकिस्तान ने तीन दिसंबर को ही पश्चिम भारत के इलाकों में भारतीय ठिकानों पर हवाई हमले कर दिए और हमारे खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी थी। यह युद्ध 16 दिसंबर, 1971 तक चला, जिसमें पाकिस्तानी सेना के करीब 93,000 सैनिकों ने अपने हथियार डाल दिए और भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इस तरह से बांग्लादेश अस्तित्व में आया। वर्ष 1971 का युद्ध मेरे लिए एक चुनौती बनकर आया था। मैं भारतीय वायुसेना में युवा फ्लाइट लेफ्टिनेंट था और 106 स्क्वाड्रन का सदस्य था। हम कैनबरा टोही विमान को उड़ाने वाले प्रशिक्षित विशेषज्ञ थे, जिसका काम शत्रु के सामरिक लक्ष्यों की तस्वीरें लेना था। चार दिसंबर को हम ऑफिसर मेस में आराम कर रहे थे, तभी देर शाम हमें स्क्वाड्रन में आने के लिए कहा गया। हम सभी फ्लाइट कमांडर स्क्वाड्रन लीडर चरणजीत सिंह के कार्यालय में इकट्ठा हुए। हमारे कमांडिंग ऑफिसर विंग कमांडर रमेश बेनेगल ने खबर दी कि बॉम्बर फोर्स पश्चिमी पाकिस्तान में एक महत्वपूर्ण पाकिस्तानी वायुसेना अड्डे सरगोधा पर बमबारी के लिए चालक दल के समूह की तलाश कर रही है और उन्हें स्वयंसेवक चाहिए। हम सबने अपना दाहिना हाथ उठाया, हालांकि तीन साल से सेवा देने के बावजूद बमवर्षक विमान उड़ाना तो दूर, मैंने कभी बमवर्षक विमान के भीतर झांककर भी नहीं देखा था। सामान्य परिस्थितियों में इस मिशन पर भेजने से पहले कुछ हफ्तों का रिफ्रेशर ओरिएंटेशन होता था, लेकिन यहां तो मिशन शुरू होने से पहले केवल 20 मिनट का समय था। बेनेगल ने तुरंत फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहिंदर सिंधु को पायलट और मुझे नेविगेटर के रूप में नामित किया। हमें पश्चिमी पाकिस्तान में मध्य रात्रि के दौरान सरगोधा हवाई अड्डे पर 8,000 पाउंड के बम गिराने थे, जिसे हमने सटीक तरीके से पूरा किया। लेकिन उसके बाद बमवर्षक के दरवाजे बंद नहीं हो रहे थे। इस वजह से जहां दुश्मन के इलाके में विमान की गति घट गई, वहीं ईंधन की खपत खतरनाक सीमा तक पहुंच गई। करीब 15 मिनट तक हम इससे जूझते रहे और इस दौरान हमें विमान–भेदी गोलाबारी का सामना करना पड़ा। दूसरा विकल्प था कि हम ऊंचाई पर बने रहते और फाइटर विमानों द्वारा मार गिराए जाते। ईंधन बचाने और पश्चिमी हवाओं का लाभ उठाने के लिए हम दोस्ताना इलाके में करीब 45,000 फीट ऊंचाई तक चढ़ गए। पर ईंधन खत्म होने के कारण लैंडिंग करते वक्त हमें एक इंजन खोना पड़ा। इसी तरह हमने कई अभियान चलाए। आठ दिसंबर को हम तस्वीर लेने के मिशन पर थे, जब हम गुवाहाटी में लॉन्चिंग एअरफील्ड पहुंचे, तो ईंधन भरने के लिए मुश्किल से समय बचा था। भारतीय नौसेना की कार्रवाई से तालमेल बिठाने के लिए हमें दो बजे तक कॉक्स बाजार स्थित अपने पहले लक्ष्य तक पहुंचना महत्वपूर्ण था। और इसलिए हमें तेजी से उड़ान भरनी थी, ताकि विमान सुरक्षित रूप से समय पर पहुंच सके। इस तरह की उड़ान में बहुत ईंधन खर्च होता है। हमें फोटो लेने के लिए आईजोल (मिजोरम) से पूर्वी पाकिस्तान में प्रवेश करना था। जैसे ही हम तेजी से आगे बढ़े, हमारे विमान पर हमला हुआ। लेकिन हमने जमीनी हमले की परवाह किए बगैर फिर से गोता लगाया और फिर हम चटगांव बंदरगाह व हवाई अड्डे की तरफ बढ़े, जहां उसी तरह का एक और फोटो लेना था। हवाई क्षेत्र से कुछ दूर हम ईंधन भंडारण टैंक से, जिस पर शायद ग्रुप कैप्टन शमशुल आलम ने हमला किया था, उठते धुओं के बीच से ऊपर चढ़े। उन्होंने भारतीय वायुसेना के सहयोग से बांग्लादेश वायुसेना का गठन किया था। जब कुछ ही मिनटों का ईंधन बचा था, हम नीचे उतर चुके थे। इसी तरह 13 दिसंबर का फोटो मिशन वाकई साहसिक था, जब हमें बैटरी वाले डिब्बे में लगी आग बुझानी पड़ी थी। हमने घटती रोशनी के बावजूद ढाका परिसर की तस्वीरें लीं और समय पर उड़ान भरी। हमारे ऊपर काफी दबाव था, और हमें सीधे दिल्ली जाना था। लेकिन जब हम दिल्ली के करीब पहुंचे, रात हो गई थी। सबसे गंभीर बात यह थी कि ढाका से आगे की यात्रा के दौरान हमारी वास्तविक गति घटकर एक तिहाई रह गई थी। यह पश्चिमी हवाओं का एक उल्लेखनीय अनुभव था। नतीजतन जब हम पालम में नियोजित उड़ान योजना से काफी आगे निकल गए, तो अपने ही देश में हमारे विमान को शत्रु विमान घोषित कर दिया गया। लेकिन हम यह कहानी बताने के लिए बच गए। ढाका पर हमले के लिए वे तस्वीरें काफी उपयोगी साबित हुईं। बेनेगल को वीरता के लिए महावीर चक्र और चरणजीत को वीर चक्र मिला। शमशुल आलम को बांग्लादेश सरकार द्वारा बीर उत्तम से सम्मानित किया गया। उनकी यादें अब भी हमारे दिल में हैं। पर ईंधन खत्म होने के कारण लैंडिंग करते वक्त हमें एक इंजन खोना पड़ा। इसी तरह हमने कई अभियान चलाए। आठ दिसंबर को हम तस्वीर लेने के मिशन पर थे, जब हम गुवाहाटी में लॉन्चिंग एअरफील्ड पहुंचे, तो ईंधन भरने के लिए मुश्किल से समय बचा था। भारतीय नौसेना की कार्रवाई से तालमेल बिठाने के लिए हमें दो बजे तक कॉक्स बाजार स्थित अपने पहले लक्ष्य तक पहुंचना महत्वपूर्ण था।

विविध रंगारंग कार्यक्रमों के साथ जेके पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव संपन्न

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। जे के पब्लिक स्कूल के तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का आखिरी दिन रंगा–रंग प्रस्तुतियों और उत्साह से भरा हुआ रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम सदर स्वाति शुक्ला ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। वहां मौजूद बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। वार्षिकोत्सव के तीसरे दिन स्कूल में चल रही विज्ञान, साहित्य एवं कला प्रदर्शनियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े। जनपद के कई दूसरे स्कूलों के छात्र भी प्रदर्शनी को देखने पहुंचे। इन स्कूलों में रफी अहमद किदवई इंटर कॉलेज, गंगा देवी इंटर कॉलेज, सीएसएन, बाल विहार समेत अन्य स्कूलों के छात्र शामिल रहे। इन बच्चों ने विशेष रूप से विज्ञान एवं कला प्रदर्शनियों में खासी रुचि दिखाई। विज्ञान की प्रदर्शनियों में चंद्रयान, खेती की उन्नत तकनीक ,नदी एवं समुद्र की सफाई करने वाली रोबोटिक मशीन समेत कई वैज्ञानिक मॉडल्स का प्रदर्शन किया गया। स्कूल के छात्रों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ दर्शकों को अपने मॉडल और उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। वहीं हिंदी, अंग्रेजी साहित्य, इतिहास एवं भूगोल से संबंधित प्रदर्शनियों ने भी आगंतुकों को अपनी ओर खींचा।

कला प्रदर्शनी में भी दर्शकों को बच्चों द्वारा बनाई गई पेन्टिंग, स्केचिंग, ज्वेलरी आर्ट और कबाड़ से जुगाड़ के अनेकों मॉडल देखने को मिले, जिन्हें सभी ने खूब सराहा। यहां बोन्जाई की भी प्रदर्शनी लगाई गई थी, जहां सुंदर तरीके से सजाए गए पेड़ पौधों ने बागवानी में रुचि रखने वालों को मन मोहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में काजल शुक्ला,काव्या त्रिवेदी, अनुष्का गुप्ता, आंचल सिंह, अंकिता तिवारी,अनाहिता द्विवेदी, अंशिका वर्मा,संगम राज, अनुष्का वर्मा एवं अन्य बच्चों ने सुंदर प्रस्तुतियां दीं।

जे के पब्लिक स्कूल के प्रबंधक राजीव मोहन अवस्थी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अरुणोश वाजपेयी, आरती गौड़, पंकज गुप्ता, संजीव दीक्षित, रागिनी दीक्षित, डॉ. अभय जैन, अविनाश मिश्र, अनुराधा मिश्रा, पारुल दीक्षित, बी.डी. शुक्ला, अनिल श्रीवास्तव,आदि उपस्थित रहे।

अतुल वेलफेयर ट्रस्ट का स्थापना दिवस दीप प्रज्वलित कर हुआ संपन्न

ट्रस्ट परिवार ने समाज में सराहनीय कार्य करने वाले डॉक्टर पत्रकार शिक्षक समाजसेवी को किया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार द्वारा स्थापना दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन नगर के एक होटल में किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या से आई श्रीमती श्वेता राज सिंह वरिष्ठ समाजसेवी रही। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव धनंजय सिंह उपस्थित रहे।सम्मान कार्यक्रम के दौरान महिला सुरक्षा सम्मान, शिक्षक सम्मान, चिकित्सा सम्मान, पत्रकार सम्मान, सामाजिक संस्था सम्मान, कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अंबुजानंद महाराज ट्रस्ट की अध्यक्षता उर्वशी सिंह सम किन्नर श्रीमती पदिमनी सिंह डॉक्टर अंजु सिंह महारानी सिंगरामऊ सहित ट्रस्ट के तमाम सहयोगी और समाजसेवी लोगों उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में बढ़कर आगे काम कर रही है ट्रस्ट में महिलाओं की भागीदारी को देखकर लगता है कि ट्रस्ट से जुड़ी महिलाएं पूर्ण रूप से ट्रस्ट के लिए समर्पित हैं और लोगों का सेवा भाव कर रही हैं आज केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार में महिलाओं के सम्मान सुरक्षा व हितों का ध्यान दिया जा रहा है जिस कारण समाज में महिलाओं को सम्मान दिया जा रहा है ।इस तरह के आयोजन अतुल वेलफेयर ट्रस्ट परिवार द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

इस मौके पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कहा कि अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट एक ऐसा ट्रस्ट है जिस ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती उर्वशी सिंह हैं। जिनका पूरा परिवार मिलकर इस ट्रस्ट को चलाता हैं। जौनपुर में जो भी लोग सोसाइटी के लिए अच्छा कार्य करते हैं चाहे वो डॉक्टर हो, समाजसेवी हो, पत्रकार हो, शिक्षक हो या फिर पर्यावरण से जुड़े हुए लोग हो ऐसे सभी लोगों का सम्मान करने का कार्य अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट का परिवार करता है उनको प्रोत्साहित करते हैं। एक तरीके से एक अच्छा प्रयास अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट की तरफ से किया जा रहा है जो समाज में एक अच्छा संदेश दे रहा है। साथ ही उन्होंने संसद भवन में सुरक्षा पर लगी सेंध व छात्र के द्वारा स्मोक बम लेकर पहुंचने के मामले पर कहा कि बच्चों द्वारा यह अपनी बात मनवाने का गलत तरीका इस्तेमाल किया गया है बात मनवाने और भी तरीके हैं लेकिन संसद भवन में बच्चों का इसमोक बम लेकर जाना यह कहीं न कहीं संसद की सुरक्षा की चूक पर सवालिया निशान है।पूर्वांचल विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा आत्महत्या की जाने के मामले पर उन्होंने सरकार को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि आज शिक्षा इतनी महंगी हो गई है जिस कारण बच्चे डिप्रेशन में है सरकार को एक समान शिक्षा करनी चाहिए साथ ही शिक्षा जितनी सस्ती हो अच्छी हो जिससे छात्रों के परिजनों को अतिरिक्त दबाव न झेलना पड़े और छात्र भी दबाव में ना रहे इसकी भी जांच होनी चाहिए जो भी दोषी होंगे खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए। इस मौके पर ट्रस्ट परिवार की राधिका सिंह नागेंद्र सिंह कंचन सिंह रजत सिंह कनक सिंह पिंकी मौर्या गुलाबी ट्रस्ट की अध्यक्ष बिट्टू किन्नर आशीष श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव प्रियंका श्रीवास्तव डॉक्टर अब्बासी मीरा अग्रहरि ज्ञानचंद सहित डॉक्टर और समाजसेवी लोग उपस्थित रहे।

जनसंचार विभाग में नई शिक्षा नीति की प्रभावशीलता पर डॉ सुरेंद्र करेंगे शोध

-आईसीएसएसआर,नई दिल्ली से पीडीएफ में हुए हैं चयनित
- विभागाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र के निर्देशन में अपना शोध कार्य करेंगे पूर्ण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव का चयन पीडीएफ के लिए हुआ है।सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई. सी. एस. एस. आर.),नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप में चयनित डॉ सुरेंद्र कुमार यादव उच्च शोध हेतु जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ मनोज मिश्र के निर्देशन में अपना शोधकार्य पूर्ण करेंगे। यह शोध अध्ययन मीडिया शिक्षण संस्थानों द्वारा नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन एवं प्रभावशीलता पर होगा।

इस शोध से मीडिया शिक्षण संस्थानों द्वारा अपनायी गयी नई शिक्षा नीति से युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने और उसके दूरगामी प्रभाव को जानने में मदद मिलेगी। डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव ने एम.फिल. की उपाधि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा,महाराष्ट्र तथा पीएच.डी.उपाधि लखनऊ विश्वविद्यालय,लखनऊ से प्राप्त की है। डॉ सुरेन्द्र कुमार यादव विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में पहले पी.डी.एफ. शोधार्थी हैं।

अयोध्या पीआरडी जवानों की आंखों से बहते हुए आंसू को नहीं मिल रहा कोई पोंछने वाला

अयोध्या। (डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) पीआरडी जवान गर्मी की धूप सहते व पसीने से तर बतर हुए, ठंडक में ठंड से कांपते हुए तथा वर्षा ऋतु में पानी में भीगते हुए सरयू तट के किनारे ड्यूटी पर कार्यरत रहते हैं तथा इनके आंखों से आंसू बहते हैं ना तो कोई देखने वाला है और ना ही कोई पोंछने वाला है। न जाने कितने मंत्री सरयू के तट को देखते हुए जलधारा को सुसज्जित करते हैं ,वही पीआरडी जवानों की आंखों से बहते हुए अश्रु धारा को कोई ना तो देखता है,और ना तो कोई आंसू पोंछता है, इन लोगों का खाता पहले पंजाब नेशनल बैंक में था बाद में एचडीएफसी में हो गया और अब केनरा बैंक में है इन लोगों को मिलने वाली सुविधाएं आज तक दुश्वार है अगर पीआरडी जवानों को 50हजार की जरूरत पड़ जाए, या लड़की की शादी करना हो या कोई गंभीर बीमारी से ग्रसित हो तो बैंक लोन देना नहीं चाहता।4 जुलाई में प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण माननीय नवनीत सहगल ने आदेश किया था की पीआरडी जवानों का खाता केनरा बैंक में खोला जाए जिसमें 16 लाख का बीमा रहेगा और यदि चाहे तो 3 लाख का लोन भी ले सकते हैं, लेकिन केनरा बैंक कहना है कि मेरे पास अभी कोई आदेश नहीं आया है ,इसलिए ना तो हम लोन दे सकते हैं और ना ही कोई सुविधा।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पाली पुलिस ने किया बैंक का निरीक्षण

बैंक की घोर लापरवाही हुई उजागर

'पाली–(हरदोई)' सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पाली थाना प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय ने स्थानीय आर्यावर्त ग्रामीण बैंक का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बैंक के बाहर खड़े वाहनों को भी चेक किया। तथा सीसीटीवी कैमरों के निरीक्षण में कैमरे बंद मिले। सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। आपको बता दें कि सोमवार को एसएचओ अरविन्द कुमार राय अपराध को रोकने की दृष्टि से पाली कस्बे के मध्य की सबसे पुरानी बैंक आर्यावर्त ग्रामीण बैंक पहुंचे।उन्होंने बैंक में संचालित सीसीटीवी कैमरों को देखा लेकिन मौके पर कैमरे बंद मिले जिससे उन्होंने बैंक की घोर लापरवाही मानते हुए बैंक मैनेजर को अपराध रोकने की दृष्टि से किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। साथ ही बैंक में लगे सायरन को भी चेक किया तथा मौके पर सुरक्षा गार्ड से भी जानकारी ली। उन्होंने अनावश्यक रूप से घूमने वाले व्यक्तियों को फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान उनके साथ काफी पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

मेधावी छात्रों के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा अचिवर्स पुरस्कार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बक्शी का तालाब स्थित 'आर०आर० ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स' में मेधावी छात्रों के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा अचिवर्स पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया जिसमे 'बैंक ऑफ बड़ौदा' ने छात्रों को उच्च अध्ययन, खेल और उद्यमिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 में शैक्षणिक, खेल, उद्यमिता आदि में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने वाले 'आर०आर० ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स' के छात्रों को सम्मानित किया।

पुरस्कार विजेताओं की सूचीरू

श्रेणी दृ शिक्षा में सर्वश्रेष्ठरू

अक्षरा श्रीवास्तव – बी.टेक, तृतीय वर्ष – इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग।

श्रेणी दृ खेल में सर्वश्रेष्ठरू

आदित्य साहू – डिप्लोमा, तृतीय वर्ष – सिविल इंजीनियरिंग विभाग।

श्रेणी दृ सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर

श्रेया दीक्षित – बी.टेक, चतुर्थ वर्ष– बायोटेक्नोलॉजी विभाग।

अपने 'मुख्य अतिथि' संबोधन में 'बैंक ऑफ बड़ौदा' के 'उप क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश गुप्ता' ने कहा, "शिक्षा का महत्व और भारत में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदम। साथ ही, उन्होंने बैंकिंग क्षेत्र, विशेषकर बैंक ऑफ बड़ौदा में हो रही विभिन्न तकनीकी प्रगति के बारे में भी विस्तार से बताया।

उन्होंने इस तथ्य को दोहराया कि आर०आर० ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स के प्रबंधन के सहयोग से आने वाले वर्षों में भी ऐसी पहल जारी रहेगी।

'वरिष्ठ प्रबंधक मार्केटिंग नौशाबा' ने उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा में उपलब्ध विभिन्न ऋण योजनाओं के बारे में बताया।

पेंशनर दिवस का हुआ आयोजन

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) शासन के निर्देशों के क्रम में आज जनपद अयोध्या पेंशनर दिवस का आयोजन जिलाधिकारी नितीश कुमार के निर्देशन में गांधी सभागार, आयुक्त परिसर अयोध्या में श्री महेन्द्र कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अयोध्या की अध्यक्षता में श्रीमती ममता सिंह, मुख्य कोषाधिकारी अयोध्या द्वारा आयोजित कराया गया। पेंशनर दिवस में मुख्य रूप से विभिन्न पेंशनर्स संघ के पदाधिकारियों एवं अत्यधिक संख्या में पेंशनरों तथा विभिन्न विभागों के कार्यालयाध्यक्षोंध्प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। पेंशनर एवं विभिन्न पेंशनर्स संघों द्वारा उठायी गयी विभिन्न समस्याओं एवं प्रत्यावेदनोंध्सुझावों के त्वरित निस्तारण हेतु विभागों को निर्देशित किया गया एवं उन्हें पेंशन सम्बन्धी नवीनतम् शासनादेशोंध्प्रक्रियाओं से भी अवगत कराया गया। सभी पेंशनर्स संगठनों एवं पेंशनरों तथा आहरण वितरण अधिकारियों द्वारा कोषागार के कार्यप्रणाली एवं व्यवहार की एक सुर से प्रशंसा की गयी।

कोटेदार संघ ने शासन को ज्ञापन सौपा, कमीशन न बढ़ने पर एक जनवरी से करेंगे हड़ताल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आल इंडियन फेयर प्राइस शाप डीलर्स फेडरेशन के जिलाध्यक्ष हरसू सिंह के नेतृत्व में कोटेदार संघ ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक मांग पत्र सौंपा। जिलाधिकारी के अनुपस्थिति में सिटी मजिस्ट्रेट ने ज्ञापन प्राप्त किया। पत्रक के माध्यम से यह मांग की गई की कोटेदार शासन के मंशानुरूप राशन वितरण करते है, साथ ही कोरोना कॉल में प्रधानमंत्री अन्न योजना व राष्ट्रीय खाद अधिनियम के तहत निरूशुल्क वितरण करते रहे। कोटेदार अपने व अपने परिवार के जीवन की परवाह न करते हुए ई पाश मशीन से ईमानदारी के साथ वितरण किया। जिसकी सराहना पूरे भारत में की गई। जिसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार को प्रशस्ति पत्र भी दिया है। उत्तर प्रदेश के कोटेदारों को 90 ध प्रति कुंतल मिलता है जबकि अन्य प्रदेशों में जैसे हरियाणा, गोवा, केरल में 200 ध, महाराष्ट्र में 150 /, राजस्थान में 125 रुपया तथा गुजरात में बीस हजार मानदेय दिया जाता है। इसलिए उत्तर प्रदेश के कोटेदारों को भी अन्य प्रदेशों की भांति लाभांश देने की कृपा करे। जिससे इस मंहगाई में कोटेदारों का भी भरण पोषण सुचारू रूप से हो सके। मांग पूरी न होने की स्थिति में आगामी एक जनवरी से देश के सभी कोटेदार सामूहिक रूप से वितरण बंद कर हड़ताल पर चले जायेंगे ।

ज्ञापन देने वालों में राजेश तिवारी प्रदेश अध्यक्ष, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष दया शंकर निगम, पद्माकर उपाध्याय महासचिव, गुलाब अग्रहरी, पंकज सिंह, समीउल्लाह सहित तमाम कोटेदार उपस्थिति रहे।

डॉ सुरेंद्र दुबे का निधन चाणक्य परिषद की अपूर्णनीय क्षति, परिषद ने दी भावभीनी विदाई

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुरेंद्र देव दुबे के आकस्मिक निधन से चाणक्य परिषद काफी दुखी एवं आहत है। प्रेस क्लब सिविल लाइन अयोध्या में एक शोकसभा आयोजित कर परिषद के गोलोक वासी पूर्व जिला अध्यक्ष के चित्र पर फूल माला चढ़कर उनकी दिवंगत आत्मा को 2 मिनट मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद तिवारी आफत संचालन महामंत्री लषणधर त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक पंडित कृपा निधान तिवारी ने उनके चाणक्य परिषद के संस्थापक सदस्य के रूप में की गई सेवा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके निधन को पूरे सर्व समाज के साथ चाणक्य परिषद की अपूरणीय क्षति बताया। मसौधा के पास मोहतसिमपुर गांव के डॉक्टर सुरेंद्र देव दुबे 15 दिसंबर 1952मे एक ब्राम्हण परिवार मे जन्म हुआ था। पशु चिकित्सक के रूप में अपनी सरकारी सेवा देने के बाद सेवानिवृत हुए डॉक्टर दुबे ने अपने जीवन की लंबी पारी समाज सेवा को समर्पित की थी उनके स्वर्गवासी होने से समाज की अपूर्ण क्षति हुई। इस अवसर पर रामनरेश भारती सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर अध्यक्ष वरिष्ठ जनकल्याण सेवा समिति , इंद्रदेव दुबे विजयेंद्र द्विवेदी, राजेंद्र प्रसाद मिश्र करुणा शंकर त्रिपाठी जिला प्रवक्ता चंद्रशेखर पांडे जिला कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर जनार्दन पांडेय पूर्व जिला संगठन मंत्री ओमप्रकाश पांडे उर्फ रज्जू पांडे जिला मंत्री बाबूराम पांडे पूर्व जिला कोषाध्यक्ष उमा प्रसाद दुबे रुद्रनाथ पांडे रामचंद्र मिश्र उमाशंकर तिवारी जिला लेखा परीक्षक देवेंद्र पांडे अंजना कल्पनाथ वर्मा लीलापुर सहदेव सिंह पूर्व क्षेत्रकारी पुलिस डॉ राम तेज पांडे संपादक चाणक्य द्वारा पूर्व प्रधान जिला उपाध्यक्ष राम भरत पांडे, कोषाध्यक्ष प्रयाग दत्त तिवारी आदि भारी संख्या में गणमान्य उपस्थित रहे।

34वीं वाहिनीं पीएसी वाराणसी के सेनानायक डॉ राजीव नारायण मिश्र आईपीएस ने फिर फहराया प्रदेश में अपना परचम

आईपीएस मिश्र लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री से हुए पुरस्कृत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) पीएसी संस्थापना दिवस के अवसर पर पीएसी मुख्यालय, लखनऊ में आयोजित एक भव्य समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार योगी आदित्यनाथ द्वारा डॉ राजीव नारायण मिश्र आईपीएस, सेनानायक 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी को प्रदेश की 33 पीएसी वाहिनीओं के मध्य हुई प्रतिस्पर्धा में अति उत्तम वाहिनी चयनित होने पर, ट्रॉफीश देकर पुरस्कृत किया।उल्लेखनीय है कि अपने कार्य दक्षता एवं कुशल प्रबंधन क्षमता के आधार पर लगातार चौथी बार एसएसपी माघ मेला प्रयागराज का अतिरिक्त दायित्व वर्तमान में संभाल रहे, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डॉ मिश्र की सराहना प्रदेश सरकार द्वारा पूर्व में भी अनेकों बार की जा चुकी है, साथ ही इनके नेतृत्व में 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी में भी वाहिनी के सर्वांगीण विकास एवं जवानों के कल्याण के सतत एवं सराहनीय प्रयास हुए हैं, जिसके फलस्वरूप लगातार दूसरी बार 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी सम्पूर्ण प्रदेश में अति उत्तम वाहिनी के खिताब को अपने नाम करते हुए प्रदेश में अपना नाम रोशन किया है। संस्थापना दिवस के इस समारोह के अवसर पर प्रमुख सचिव,मुख्यमंत्री व गृह संजय प्रसाद, पुलिस महानिदेशक विजय कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, पीएसी डॉ. के.एस. प्रताप कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए।

वाहनों पर चालक लगवाये रेडियम प्लेट - आरटीओ प्रवर्तन

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) परिवहन विभाग अयोध्या द्वारा द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत सोमवार को बलरामपुर चीनी मिल्स में रौजागांव परिसर में अभियान चलाकर गन्ना ढुलाई का कार्य कर रहे ट्रैक्टर ट्रालियों समेत विभिन्न वाहनों पर रेडियम टेप लगवाया गया।इसका नेतृत्व सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन विश्वजीत प्रताप सिंह ने किया।इस मौके पर 200 से अधिक वाहनों पर रेडियम टेप लगवाया गया। उन्होने वाहन चालको को जागरूकत करते हुए कहा कि रेडियम टेप कोहरे में सड़क हादसो को टालने में बहुत ही सहायक है। आरटीओ प्रवर्तन ने बताया कि तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने से बचें, धीमी या औसत गति पर चले तथा अगले वाहन से निर्धारित दूरी बनाकर रखे। गाड़ी चलाते समय खासकर कोहरे में ड्राईविंग करते समय संगीत बन्द कर दें और हार्न सुनने के लिये लगातार चौकन्ना रहे।वाहन में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप का प्रयोग अवश्य करें।किसी भी आपात सहायता के लिये 112 डायल कर पुलिस व 108 डायल कर एम्बुलेंस के हेड लाईट को लो बीम पर रखे।हमेशा फॉग लैम्प का इस्तेमाल करें।एआरटीओ प्रवर्तन प्रवीण कुमार सिंह ने वाहन चालको को जानकारी देते हुए कहा कि शीत ऋतु में कोहरे व धुंध को दृष्टिगत रखते हुए जनपद की समस्त चीनी मिलों में प्रयुक्त होने वाले वाहनों में रिफ्लेक्टर टेप लगवाये गये तथा शराब पीकर वाहन न चलाये तथा बाईक स्टंट कदापि न करे यह जानलेवा है।इस मौके पर यात्री कर अधिकारी संदीप चौधरी, मुख्य गन्ना प्रबन्धक दिनेश सिंह, विकास सिंह, उप गन्ना प्रबन्धक अजीत राय, उपेन्द्र कुमार पाठक, धमेन्द्र दुबे आदि मौजूद रहे।

मेजर वीरेंद्र सिंह तोमर ने बच्चों में भरी देशभक्ति की भावना

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद लखनऊ महानगर ने अवध प्रांत के पदाधिकारियों संग 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध जिसमें भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं अभूतपूर्व रण कौशल से पाकिस्तानी सेना के 93000 सैनिकों को उनके सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ए ए के नियाजी के साथ भारतीय सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष आत्म समर्पण करना पड़ा था। उस 1971 की अनुपम विजय को याद करने के लिए सांई पब्लिक इंटर कॉलेज, नील मत्था, लखनऊ में विजय दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों के साथ–साथ कॉलेज के अध्यापक गण एवं बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सूबेदार मेजर राजीव द्विवेदी ने तथा संगठन गीत अवध प्रांत महासचिव सूबेदार मेजर जेबीएस चौहान द्वारा प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि कर्नल एलके तिवारी साहब ने अपने संबोधन मे विजय दिवस के बारे में पूर्ण प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि कैप्टन आर विक्रम सिंह,पूर्व आईएएस एवं प्रदेश उपाध्यक्ष ने विजय दिवस पर बोलते हुए विजय दिवस को सभी छात्रों एवं अध्यापकों के बीच मनाने का कारण बताया कि यह बच्चे कल का भविष्य है इन्हें अपनी सेना की अनुपम विजय गाथा के बारे में पता होना चाहिए जिससे राष्ट्र का जन जन गौरव महसूस करें और राष्ट्रभक्ति जन–जन में जागृत हो। अवध प्रांत के अध्यक्ष मेजर बीएस तोमर ने अपने उद्बोधन से बच्चों में देशभक्ति की भावना विकसित करने का सफल प्रयास किया और सभी पदाधिकारियों तथा कालेज प्रिंसिपल अध्यापकों और बच्चों सहित सभी पूर्व सैनिक पदाधिकारियों को धन्यवाद भी ज्ञापित किया। कार्यक्रम को मेजर आनंद टंडन,संगठन सचिव उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड ने तथा में कैप्टन इंदल सिंह चंदेल,सचिव उत्तर प्रदेश ने भी संबोधित किया। कैप्टन सरोज सिंह और सूबेदार मेजर राजीव द्विवेदी ने ओजस्वी कविताएं प्रस्तुत की। बीच में विद्यालय के छात्रों ने भी अपनी राष्ट्रभक्ति की कविताओं से समां बांधा। कार्यक्रम में सूबेदार मेजर बीएल वर्मा प्रदेश सचिव, अवधा प्रांत संगठन सचिव बीएन तिवारी लखनऊ अध्यक्ष परिजात मिश्रा उपाध्यक्ष ललित मोहन पंत एवं एमके सिंह सचिव कैप्टन अरविंद सिंह कोषाध्यक्ष अशोक पाण्डेय, मातृशक्ति अध्यक्ष पूनम सिंह एवं तूलिका त्रिपाठी एवं घनश्याम प्रसाद केसरी सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ हुआ। जय हिंद

श्री दुर्गा पूजा महासमिति के संरक्षक अतुल मिश्रा गोपाल के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री दुर्गा पूजा महासमिति के संरक्षक अतुल मिश्रा गोपाल को श्री दुर्गा पूजा महासमिति ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता महासमिति के अध्यक्ष अनिल अस्थाना ने किया। रविवार को नवदुर्गा शिव मंदिर विसर्जन घाट नखास परश्री दुर्गा पूजा महासमिति के संरक्षक अतुल मिश्रा गोपाल जी की स्मृति में श्री दुर्गा पूजा महासमिति द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। महासमिति के उपस्थित संरक्षक विशिष्ट सदस्य एवं प्रबंध कार्यकारिणी के सदस्यों ने स्वर्गीय अतुल मिश्रा के सुकृत्यों पर प्रकाश डालते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। तदुपरांत 2 मिनट का मौन रखकर मृतक आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया गया। इस अवसर पर इंद्रभान सिंह इंदु निखिलेश सिंह शशांक सिंह रानू, मोतीलाल यादव विजय सिंह बागी अतुल सिंह मनीष देव डॉ विजय रघुवंशी महेश जायसवाल चंद्रशेखर गुप्ता अतुल सिंह विजय गुप्ता संजय विश्वकर्मा संजय मोदनवाल, विष्णु गुप्ता दीपक श्रीवास्तव, समिति अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे समेत अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव मनीष गुप्ता ने किया। उक्त आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी विश्व प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

हरदोई के सोल्जरबोर्ड में विजय दिवस जिला अध्यक्ष राहुल सिंह की अध्यक्षता में बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरदोई। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद हरदोई ने सभी पदाधिकारियों के संग 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध जिसमें भारतीय सेना के अदम्य साहस एवं अभूतपूर्व रण कौशल से पाकिस्तानी सेना के 93000 सैनिकों को उनके सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ए ए के नियाजी के साथ भारतीय सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के समक्ष आत्म समर्पण करना पड़ा था। उस 1971 की अनुपम विजय को याद करने के लिए हरदोई के सोल्जर बोर्ड में विजय दिवस जिला अध्यक्ष राहुल सिंह की अध्यक्षता में बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों के साथ–साथ सोल्जरबोर्ड अधिकारी ,डी एम हरदोई नगरपालिका अध्यक्ष कई सम्मानित गण एवं बड़ी संख्या में सैनिक उपस्थित रहे। तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष ने अपने संबोधन मे विजय दिवस के बारे में पूर्ण प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि जिला अधिकारी हरदोई ने विजय दिवस पर बोलते हुए विजय दिवस को हम सभी के बीच मनाने का कारण बताया हमें अपनी सेना की अनुपम विजय गाथा के बारे में पता होना चाहिए जिससे राष्ट्र का जन जन गौरव महसूस करें और राष्ट्रभक्ति जन–जन में जागृत हो। अवध प्रान्त सहसचिव सूबेदार महेंद्र पाल सिंह ने सरहद से समाज तक कि सैनिकों की वीर गाथाए सुनाईं ,और संगठन उपाध्यक्ष कैप्टन शिवबीर सिंह चौहान ने सैनिकों को संबोधित किया,वहीं संरछक कैप्टन राजेन्द्र सिंह ने कहा हमे यह दिन हमेशा याद रखना चाहिये,सचिव पुष्पेंद्र सिंह ने मंच का संचालन करते हुए वीरों को याद किया, कोषाध्यक्ष गया प्रसाद, सरद कुमार,सर्वदमन सिंह,के पी सिंह,संजीव सिंह,सरोज सिंह, सहित सभी पूर्व सैनिक पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान जन गण मन के साथ हुआ।

पसमांदा मुस्लिम समाज द्वारा अधिकार दिवस पर गोष्ठी

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ, पसमांदा मुस्लिम समाज कार्यालय स्थिति लालबाग लखनऊ में अल्पसंख्यक

अधिकार दिवस का आयोजन किया गया, जिस में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के संस्थापक, राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सब से पहले अल्पसंख्यक

अधिकार दिवस की बधाई देता हूं।

अनीस मंसूरी ने कहा कि अल्पसंख्यक अधिकार दिवस भाषाई, धर्म, जाति और रंग के

आधार पर अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित लोगों के अधिकारों को बढ़ावा और संरक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। भारत में बहुमत–अल्पसंख्यक मुद्दों पर अक्सर असहमति और चर्चा

धार्मिक और राजनीतिक असंतोश पैदा करने के लिए उभरती है। भले ही भारतीय संविधान हमेशा अल्पसंख्यकों समेत सभी समुदायों को समान और न्यायपूर्ण अधिकार प्रदान करता था और प्रदान करता रहेगा लेकिन अल्पसंख्यकों के अधिकारों से संबंधित कुछ मुद्दे अभी भी जीवित हैं।

अनीस मंसूरी ने कहा कि भारत में अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाकर प्रत्येक राज्य अल्पसंख्यकों से संबंधित मुद्दों पर पूरी तरह से केंद्रित है और अच्छी तरह से यह सुनिश्चित करता है कि अल्पसंख्यकों के अधिकार उनके प्रांत के भीतर सुरक्षित हैं।

अनीस मंसूरी ने कहा कि अल्पसंख्यक षब्द अल्प और संख्यक जैसे दो षब्दों से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है दूसरों के अपेक्षा संख्या में कम होना। अल्पसंख्यक होने के कई पहलू हो सकते परन्तु मुख्यत इसमें धार्मिक, भाशायी, जातीय पहलुओं को प्रमुखता से देखा जाता है। इसमें सबसे प्रमुख होता है धार्मिक रुप से अल्पसंख्यक होना, कई सारे देशों में धार्मिक अल्पसंख्यकों को विशेष सुविधाएं प्रदान की जाती है ताकि इनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव ना हो और बहुसंख्यक समाज के साथ यह भी समान रुप से विकास कर सकें हालांकि कई सारे देशों में इसके विपरीत धार्मिक अल्पसंख्यकों को विभिन्न तरीकों से प्रताड़ित भी किया जाता है और उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता है।

अनीस मंसूरी ने कहा कि हमारे देश में हिन्दू धर्म को बहुसंख्यक माना जाता है और इसके अलावा मुस्लिम, सिख, पारसी, जैन, ईसाई, बौद्ध धर्म के लोगों को अल्पसंख्यक माना जाता है। सरकार देश भर में अल्पसंख्यकों के लिए कई तरह की विशेष योजनाएं चलायी जाती है और इसके साथ ही अल्पसंख्यकों के विकास के लिए सन् 1992 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का भी गठन किया गया था। अल्पसंख्यक समुदाय विशेषकर मुसलमान समुदाय के लोग अपनी इच्छा से भारतीय हैं न की किसी मजबूरी की वजह से और उन्हें अपनी वफादारी या देषभक्ति का कोई सबूत पेष करने की आवश्यकता नहीं है।

मुस्लिम या किसी अन्य समुदाय से होना और भारत में रहना पर्याप्त सबूत है जो यह साबित करते हैं कि वे देशभक्त हैं।

अनीस मंसूरी ने कहा कि अल्पसंख्यकों को समान अधिकार प्रदान करके राजनेता उनके ऊपर कोई एहसान नहीं कर रहे हैं बल्कि वास्तव में यह उनका वास्तविक अधिकार है। एक ऐसा देष जो जाति, धर्म या समुदाय के आधार पर लोगों के बीच भेदभाव नहीं करता लोकतंत्र की वास्तविक भावना को दर्षाता है। दुनिया भर में कई उदाहरण हैं जब एक विशिष्ट अल्पसंख्यक समूह को राजनीतिक और नीतिगत भेदभाव के कारण संघर्श करना पड़ा और पीड़ा सहनी पड़ी। इस अवसर पर शाहिद कस्सार, हाजी नसीम अहमद, एजाज अहमद राईनी, मौलाना इलियास मंसूरी, हाजी शब्बन, शब्बीर अहमद मंसूरी के अलावा काफी लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

शानदार रजत जयंती समारोह सरस्वती डेंटल कॉलेज

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। 01 दिसंबर से शुरू सरस्वती डेंटल कॉलेज का रजत जयंती माह हर दिन विभिन्न प्रकार के खेल और साहित्यिक कार्यक्रमों का एक रोमांचक मेला रहा है।खेल श्रेणी में रजत जयंती समारोह में अब तक क्रिकेट मैच, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और शतरंज पहले ही हो चुका है. इनसे बहु–प्रतिभाशाली छात्र और संकाय तैयार हुए हैं जिन्होंने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। साहित्यिक क्षेत्र में कविता प्रतियोगिता, ब्लॉग लेखन, रचनात्मक लेखन, वाद–विवाद, लघु कला और विज्ञापन पागलपन जैसे आयोजन आयोजित किए गए हैं और बहुत से प्रतिभाशाली लड़कों और लड़कियों ने अद्भुत परिणाम और अद्भुत प्रदर्शन किए हैं।

आगामी कार्यक्रम रील मेकिंग, फुटबॉल और एथलेटिक्स हैं। सिल्वर जुबली कार्यक्रमों में और अधिक मौज–मस्ती का इंतजार है क्योंकि 20 दिसंबर से जल्द ही सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होने वाले हैं। और सबसे अधिक प्रतीक्षित कार्यक्रम '29 दिसंबर को एक संगीतमय रात होगी जहां अंकित तिवारी का भव्य संगीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा' और सभी छात्र और संकाय के साथ–साथ आमंत्रित लोग थिया गायक की मधुर धुनों पर नाचेंगे और गाएंगे।

इसके अलावा हमारा कॉलेज पहले से उत्तीर्ण बैचों के लिए एक पूर्व छात्र बैठक का आयोजन कर रहा है। 'प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ हाउस ट्रॉफी का गौरवान्वित विजेता कौन होगा?'। हमें कुछ समय और इंतजार करना होगा.छात्र कल्याण और पाठ्येतर गतिविधि के लिए हमारी संस्थागत समिति (आईसीएसडब्ल्यू और ईसीए) और छात्र परिषद के संयुक्त प्रयासों से निम्नलिखित कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। आईसीएसडब्ल्यूईए अध्यक्ष–डॉ.अलका यदु, साहित्यिक समन्वयक डॉ.श्वेता सिंह, सांस्कृतिक समन्वयक–डॉ.आशीष चौहान, खेल समन्वयक–डॉ.सुलेमान अब्बास।कॉलेज कैप्टन–मानसी बिष्ट। खेल सचिव – अक्षत तिवारी, मुस्कान श्रीवास्तव और संयुक्त सचिव – अभिराज, खुशबू, अनुष्का राय और विक्की सिंह। योग सचिव–श्रेयस सिंह, संयुक्त सचिव–लक्ष्य और अंजलि। साहसिक सचिव–गौरी शुक्ला, इक्षाकु साकिया, संयुक्त सचिव–खुशाग्र, अंशिका। सांस्कृतिक सचिव–देवांश सिंह, महिमा जैन और संयुक्त सचिव–कुलसुम, सुरिंदर, हर्षिता, सृष्टि। साहित्यिक सचिव–दीपांशु, रामस्वरूप संयुक्त सचिव–प्रतीश, इंजिला, परिधि, शगुन, रुचिता फोटोग्राफी क्लब सचिव–पराग, वैष्णवी और संयुक्त सचिव–माधव, दीपा। कला और शिल्प सचिव–शची, ऋषिका और संयुक्त सचिव–रितिका, पूजा। हाउस कैप्टन–उत्कर्ष तिवारी (कृष्णन), रशिल (चावला), अनन्या (रमन), राहुल (टैगोर)।

इस सरस्वती समूह के सभी सदस्यों के लिए बहुत कुछ है, पूरा संस्थान आत्मविश्वास, साहस और दृढ़ विश्वास से भरा हुआ है। सभी हाउस अंतिम ट्रॉफी पुरस्कार की ओर दौड़ रहे हैं।

अयोध्या राजर्षि दशरथ मेडिकल कश्वलेज में 24 घंटे एक्सरे हो सकेंगे।

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। रविवार को दो एक हजार एमए की हाई फ्रेक्वेंसी वाली डिजिटल एक्सरे मशीनों का संचालन किया गया। शुभारंभ सांसद लल्लू सिंह व नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने किया। मीडिया प्रभारी डॉक्टर डीके सिंह ने बताया कि इससे पहले बच्चों व अस्थमा के मरीजों का एक्सरे नहीं हो पाता था। एक्सरे मशीनों की ईमेज क्वालिटी उच्च स्तर की है। बिजली का खर्च भी कम आएगा। ओपीडी के दौरान दोनों ही मशीनें संचालित रहेंगी। सांसद लल्लू सिंह ने कहा की केंद्र व प्रदेश सरकार अयोध्या को विश्व के मानचित्र पर ले जाएगी। एयरपोर्ट का निर्माण हो चुका है। रेलवे स्टेशन का कार्य भी लगभग पूरा हो गया था। जिले की स्वास्थ्य सेवाओं का भी खासा ध्यान रखा जा रहा है।

नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा की हमारी सरकार अयोध्या के विकास के प्रतिबद्ध है। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार, उप प्रधानाचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा, वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. पारस खरबंदा डॉ साकेत गुप्ता व अन्य मौजूद रहे।

शहीद वीर सेनानियों को बहुत-बहुत नमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित की गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

रायबरेली। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद रायबरेली इकाई अवध प्रांत में बड़े ही धूमधाम से 16 दिसंबर 1971 भारत और पाकिस्तान युद्ध के उन महानायक वीर जवानों को जिला अध्यक्ष राकेश बहादुर सिंह ने श्री गंगाराम बराती लाल इंटर कॉलेज मे अपने संबोधान में बोला कि 16 दिसंबर विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है कॉलेज के सभी बच्चों को अपने संबोधन में कहा कि 16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेना ने विश्व को एक मिसाल पेश किया था। तथा आज भी पाकिस्तानी सन 71 की युद्ध को सोचकर सहम में जाते हैं। क्योंकि पाकिस्तानी सेना 93000 फौजियों को भारतीय सेना ने हथियार डालने को मजबूर कर दिया था।

इस कार्यक्रम में उपस्थित कैप्टन ँ च दीक्षित कैप्टन रमेश कुमार जी कैप्टन ☐ ठ ँपदही हवलदार चंद्र मोहन शुक्ला जी सूबेदार गिरजा शंकर जी हवलदार भूपेंद्र सिंह जी इंटर कॉलेज प्रिंसिपल साहब तथा स्टॉप हुआ बच्चों ने हिस्सा लिया।

उन शहीद वीर सेनानियों को बहुत–बहुत नमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

भारत माता की जय के साथ समापन किया गया। जय हिंद

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक ही रात में 34 अपराधी दबोचे गए

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) दो वांछित और 32 वारंटी सहित 34 अपराधी गिरफ्तार।। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या के अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही के क्रम में जनपद में वांछित अपराधी और एलबीडब्ल्यू की दबिस हेतु बीती रात अभियान चलाया गया।जिसमें दो वांछित अपराधी और 32 एन बी डब्लू अपराधियों की गिरफ्तारी की गई। जिसमें कोतवाली नगर से पांच कैंट से दो पूरा कलंदर से आठ गोसाईगंज से दो महाराजगंज से चार बीकापुर से एक तारुन से एक इनायत नगर से तीन रुदौली से एक बाबा बाजार से चार तथा पटरंगा से एक गैर जमानती वारंटी धरे गए।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के तत्वावधान में विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बांदा। ऐतिहासिक दुर्ग भूरागढ़ में स्थापित अमर जवान शहीद स्थल पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के तत्वावधान में विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला अध्यक्ष कप्तान एस बी सिंह राठौड़ ने मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण एवं धूप, दीप जलाकर किया। तत्पश्चात 1971 भारत–पाक युद्ध के अमर बलिदानियों को 2 मिनट कर का मौन रखकर परमपिता परमात्मा से पवित्र हुतात्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की इस अवसर पर समस्त पूर्व सैनिक एवं नगर के गणमान्य नागरिकों द्वारा शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई।मंच का संचालन सूबेदार आर पी तिवारी 'स्वदेश' साहब के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भारत–पाक युद्ध में हिस्सा लेने वाले बहादुर वरिष्ठ पूर्व सैनिकों द्वारा अपने अनुभव बताए गए एवं गणमान्य महानुभाव द्वारा वीर आत्माओं की याद में हृदय स्पर्शी एवं गौरवपूर्ण कविता पाठ का प्रस्तुतीकरण किया गया।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।